Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक

वेलकम इंडिया

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 300 | बुधवार, 04 नवम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

मोदी ने पुणे मेट्रो की 21800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया

भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



पुणे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पुणे मेट्रो की लगभग 21,800 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया और जनकल्याण के प्रति अपनी सरकार के समर्पण को दोहराया। इस अवसर पर आयोजित समारोह को ऑनलाइन संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने 'शक्ति से सशक्तीकरण और सुशासन' के अपने नारे को दोहराते हुए कहा कि आर्थिक वृद्धि और गरीबी एक दूसरे से जुड़े हुए मुद्दे हैं। हाल के वर्षों में देश की तीव्र आर्थिक वृद्धि के चलते सरकार को गरीबी दूर करने के प्रयास में बड़ी सफलता मिली है। उन्होंने मौसम की मार से प्रभावित महाराष्ट्र के किसानों को केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। प्रधानमंत्री ने शहरों को देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण केन्द्र बताते हुए कहा कि हमारे शहर केवल आवासीय स्थान नहीं हैं, बल्कि वे देश की आर्थिक गतिविधियों के प्रमुख केंद्र भी हैं। हमें देशभर के सैकड़ों छोटे शहरों को सक्रिय विकास केंद्रों के रूप में विकसित करना होगा।

श्री मोदी ने कहा कि भारत इस समय दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था है और गरीबी कम करने के काम में देश की रफ्तार दुनिया में सबसे बढ़ कर है। श्री मोदी ने कहा, 'आज भारत वो देश है, जो सबसे तेजी से वृद्धि कर रहा है और गरीबी भी सबसे तेज गति से कम कर रहा है।' उन्होंने कहा कि ये दोनों 'सिद्धियां' एक दूसरे से जुड़ी हुई हैं। अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है जिससे सरकार का बजट बढ़ा है, देशवासियों के कल्याण और विकास पर ज्यादा निवेश हो रहा है।

उन्होंने कहा, 'पहले जो पैसा, घोटालों और भाई भतीजावाद के लीकेज में जाता था, अब सीधा लाभार्थी तक पहुंच रहा है। जब देश के खजाने का पैसा, रोड, रेल, एयरपोर्ट, मेट्रो में लगता है, जब सरकार, बिजली, पानी, गैस पाइपलाइन पर निवेश बढ़ाती है, तब लोगों का जीवन भी सुधरता है और उनके लिए रोजगार के मौके भी बढ़ते हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि गरीबों के घर, टॉयलेट, हर घर जल, गैस कनेक्शन, ऐसी सुविधाओं से लोगों का आत्मविश्वास बढ़ा है, उनका समय बच रहा है जिसका वे अपने परिवार के लिए दूसरे कामों पर उपयोग कर पा रहे हैं।

श्री मोदी ने दस वर्ष पहले पुणे मेट्रो के पहले चरण की आधारशिला रखने के अपने अनुभव को याद करते हुए कहा कि हिंजवड़ी से शिवाजीनगर तक के कॉरिडोर का उद्घाटन शहर के प्रमुख आईटी हब को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। वहीं, आज शुरू की गई नई मेट्रो लाइन शहर के पुराने और नए हिस्सों को आपस में जोड़ेगी। पुणे को विचारों का एक ऐतिहासिक केंद्र बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस शहर ने लगातार देश और समाज को दिशा देने का काम किया है। आज पुणे आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मास्युटिकल, स्टार्टअप, नवाचार और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में विकसित भारत की नई ऊर्जा को आगे बढ़ा रहा है। यह युवाओं की आकांक्षाओं का एक प्रमुख केंद्र बनकर उभर रहा है। श्री मोदी ने कहा, 'ऐसी स्थिति में यहां मेट्रो कनेक्टिविटी का विस्तार पुणे शहर के विकास को नई गति प्रदान करेगा। हमारी सरकार का हमेशा से मंत्र रहा है कि गरीब को सशक्त करो तो गरीब में अपनी गरीबी से बाहर निकलने का साहस आ जाता है। मुझे याद है, जब मैं गुजरात में मुख्यमंत्री था, तो इसी सोच के साथ मैंने गरीब कल्याण मेले की परंपरा शुरू की थी।

समाज को बांटती है जाति की जड़ता, एक सूत्र में पिरोती है साझी आस्था और संस्कृति: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के जरिये समाज को दिया प्रेरक संदेश

- सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है श्री अयोध्या जी का दीपोत्सव : मुख्यमंत्री
- 2017 से पहले सरकारों ने समाज को जोड़ने वाली सांस्कृतिक शक्ति की उपेक्षा की : सीएम

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव के जरिये समाज को प्रेरक संदेश दिया। सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि जाति की जड़ता समाज को बांटती है, जबकि साझी आस्था और संस्कृति उसे एक सूत्र में पिरोती हैं। श्री अयोध्या जी का दीपोत्सव इसी सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले जातीय विभाजन को राजनीति का आधार बनाने वाली सरकारों ने समाज को जोड़ने वाली इस सांस्कृतिक शक्ति की पूर्णतः उपेक्षा की, वहीं डबल इंजन सरकार ने वर्ष 2017 में दीपोत्सव की शुरूआत कर इस सोच को बदला और राम नगरी की सांस्कृतिक विरासत को जन-जन के उत्सव में बदल दिया।

समाज को एक करता है दीपक का प्रकाश

मुख्यमंत्री ने लिखा कि पूज्य संतगण एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के यशस्वी मार्गदर्शन में आज धर्माचार्यगण, विद्यार्थी, स्वच्छताकर्मी, कुम्हार और व्यापारी सभी समान उत्साह एवं श्रद्धा से इस आयोजन में सहभागी होते हैं। यहां पहचान जाति से नहीं, सहभागिता से होती है। दीप अलग-अलग हाथों में जलते हैं, लेकिन उनका प्रकाश पूरे समाज को एक करता है। यही दीपोत्सव का संदेश है। यही समरस समाज की संकल्पना है।

राहुल ने मोदी को फिर दी बहस की खुली चुनौती, कहा- डरिए मत

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फिर खुली बहस की चुनौती देते हुए कहा कि 'अब 24 घंटे हो गए मोदी जी, मैंने आपको चैलेंज दिया है।' श्री गांधी ने सोशल मीडिया एक्स पर मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री विपक्ष को देशद्रोही बताते हैं इसलिए उन्हें किसी भी मंच पर आमने-सामने बैठकर बहस करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बहस में विदेशी ताकतों से कथित संबंधों, वित्तीय व्यवस्था, अमेरिका के साथ हुए समझौते तथा समझौते में जल्दबाजी करना, मंत्रिमंडल को इसकी जानकारी नहीं देना तथा उद्योगपति अडानी के मामले सहित सभी मुद्दों पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि बहस में मीडिया और देश के युवा मौजूद रहें तथा प्रधानमंत्री अपनी पसंद के किसी भी व्यक्ति को निर्णायक बना सकते हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत को भी निर्णायक बनाया जा सकता है। श्री गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री उनके खिलाफ विभिन्न मामलों में करीब 45 मानहानि के मुकदमे दर्ज करा चुके हैं लेकिन विदेशी संबंधों के आरोपों पर बहस के मुद्दे पर मानहानि का मुकदमा क्यों नहीं करते। उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री बहस के लिए सामने आएं, ताकि सभी आरोपों की सच्चाई स्पष्ट हो सके। आइए, डरिए मत। दूध का दूध, पानी का पानी कीजिए।' श्री गांधी ने अपने संदेश के अंत में प्रधानमंत्री को दीपावली की शुभकामनाएं भी दीं हैं।

युद्ध की बदलती चुनौतियों के लिए सेना को नई प्रौद्योगिकी और ताकत से लैस करने की तैयारी : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि सेना को मौजूदा तथा भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए लगातार सक्षम बनाना जरूरी है इसलिए युद्ध के बदलते तौर-तरीकों को देखते हुए उसे आधुनिक प्रौद्योगिकी, नए हथियारों और बेहतर युद्धक क्षमता से लैस करने की तैयारी की जा रही है।

उन्होंने कहा कि तीनों सेनाओं के बीच तालमेल बढ़ाने के साथ-साथ ड्रोन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया जा रहा है।

रक्षा मंत्री ने मंगलवार को जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण, बदलती युद्ध परिस्थितियों और भविष्य की सैन्य जरूरतों पर विस्तार से चर्चा हुई। इसमें आधुनिक हथियारों और सैन्य प्रणालियों को सेना में शामिल करने, तीनों सेनाओं के बीच संयुक्त योजना और स्वदेशी रक्षा प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

श्री सिंह ने कहा कि आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में सेना को नई प्रौद्योगिकियों के अनुरूप तैयार करना जरूरी है। उन्होंने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की ओर से विकसित किए जा रहे आधुनिक हथियारों, मिसाइलों और सैन्य प्रणालियों का जिक्र किया। साथ ही रक्षा क्षेत्र में निजी कंपनियों, छोटे उद्योगों, स्टार्टअप और शिक्षण संस्थानों की भागीदारी बढ़ाने की बात कही।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सेना की ताकत केवल हथियारों और आर्थिक संसाधनों से तय नहीं होती, बल्कि जवानों की क्षमता और तैयारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बदलती युद्ध परिस्थितियों के अनुसार तीनों सेनाएं अपनी संरचना और कार्यप्रणाली में बदलाव कर रही हैं। उन्होंने भारतीय सेना की 'असनी', 'भैरव' और 'शक्तिबाण' प्लाटून का उल्लेख करते हुए कहा कि ये मौजूदा सैन्य जरूरतों को पूरा करने में प्रभावी साबित हो रही हैं। श्री सिंह ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में रक्षा बजट बढ़ाकर रिकॉर्ड 7.85 लाख करोड़ रुपये किया गया है। इसमें 2.19 लाख करोड़ रुपये आधुनिक सैन्य उपकरणों और हथियारों की खरीद के लिए रखे गए हैं। उन्होंने कहा कि सेना की जरूरतों के अनुसार बजट का सही इस्तेमाल और जरूरी सैन्य क्षमताओं को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि देश में रक्षा उत्पादन वित्त वर्ष 2014-15 के 46,429 करोड़ रुपये से बढ़कर 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, रक्षा निर्यात 2014 में 2,000 करोड़ रुपये से कम था, जो बढ़कर करीब 40 हजार करोड़ रुपये पहुंच गया है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को 3 लाख करोड़ रुपये और रक्षा निर्यात को 50 हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाना है।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापकों को अमेरिका और पाकिस्तान से मिल रहा है विदेशी फंड: जितेंद्र सिंह

वेलकम इंडिया, नेटवर्क



बेंगलुरु। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने मंगलवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी' (सीजेपी) के संस्थापकों पर गंभीर आरोप लगाते हुए दावा किया कि इसके संस्थापक अभिजीत दीपके को अमेरिका के दानदाताओं से वित्तीय मदद मिल रही है, जबकि इसके सह-संस्थापक आशुतोष रांका को सरकार विरोधी अभियानों को हवा देने और जनमानस को गुमराह करने के लिए पाकिस्तानी राजनेताओं और अन्य आकाओं से पैसे मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा कि इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि देश में अराजकता फैलाने वाले इन तत्वों को भारत के भीतर और बाहर सक्रिय अनधिकृत स्रोतों तथा भारत-विरोधी गैर-सरकारी संगठनों के जरिए पैसे भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विदेशी पैसे से चलने वाले एनजीओ, डीप-स्टेट से जुड़े लोग और भारत-विरोधी ताकतें मिलकर देश के खिलाफ एक झूठा और भ्रामक नजरिया बनाने की कोशिश कर रही हैं।

सिंह ने कहा कि जो लोग सरकार पर बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं, उन्हें सबसे पहले अपने खुद के पैसे के स्रोतों और अभियानों को चलाने के लिए जुटाए गए संसाधनों का हिसाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि राजनीतिक जमीन पूरी तरह से खो चुके ये लोग अब जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने करने के लिए इस तरह के षड्यंत्र रच रहे हैं।

उल्लास-उमंग के पर्वों में न हो कोई अप्रिय घटना, सौहार्द और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता: मुख्यमंत्री

उत्सव के उल्लास को उपद्रव में बदलने की साजिश कतई बर्दाश्त नहीं, अराजक तत्वों पर जीरो टॉलरेंस की नीति से होगी कार्रवाई

वेलकम इंडिया, नेटवर्क





लखनऊ। आगामी पर्व-त्योहार उल्लास, उमंग, आस्था और सामाजिक सौहार्द के प्रतीक हैं। इन अवसरों पर प्रदेश में सुरक्षा, स्वच्छता और नागरिक सुविधाओं की चाक-चौबंद व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि कोई भी अप्रिय घटना पर्वों के उल्लास में खलल न डाल सके। मंगलवार शाम वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश की कानून-व्यवस्था और आगामी त्योहारों की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को पूरी सतर्कता एवं संवेदनशीलता के साथ दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने दो टूक कहा कि उत्सव के उल्लास को उपद्रव में बदलने की किसी भी साजिश को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अराजक व असामाजिक तत्वों के विरुद्ध 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत कठोरतम कार्रवाई की जाए। दीपोत्सव, दीपावली, छठ और देव दीपावली के दृष्टिगत शासन से लेकर तहसील और थाना स्तर तक के सभी अधिकारियों व कर्मचारियों के अवकाश तत्काल प्रभाव से निरस्त कर दिए गए हैं। साथ ही, सोशल मीडिया पर 24 घंटे पैनी नजर रखते हुए अफवाह फैलाने, भ्रामक सूचनाएं प्रसारित करने अथवा शरारतपूर्ण बयानबाजी से माहौल बिगाड़ने वालों पर त्वरित व प्रभावी विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

अयोध्या में 07 नवंबर को आयोजित होने वाले भव्य दीपोत्सव की तैयारियों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने को कहा। उन्होंने निर्देशित किया कि अंतरजनपदीय और स्थानीय स्तर पर सुगम यातायात प्रबंधन सुनिश्चित हो तथा रूट डायवर्जन प्लान पहले से तैयार कर जनसामान्य के बीच व्यापक रूप से प्रसारित किया जाए।

प्रमुख मंदिरों और संवेदनशील धार्मिक स्थलों पर चौबीसों घंटे पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए गए हैं। धनतेरस और दीपावली के दृष्टिगत मुख्य बाजारों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के आसपास 247 पुलिस निगरानी, सघन पैदल गश्त और सीसीटीवी कैमरों की सक्रियता अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। वरिष्ठ अधिकारी स्वयं फील्ड में उतरकर व्यवस्थाओं का जायजा लें और पीआरवी-112 निरंतर सक्रिय रहे। प्रतिमा स्थापना के कार्यक्रमों में नियमानुसार समयबद्ध अनुमति दी जाए। ऐसे आयोजनों की आड़ में दुर्भावनापूर्ण ढंग से विवाद खड़ा करने अथवा सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की चेष्टा करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कदम उठाए जाएं। पटाखों की बिक्री और अग्नि सुरक्षा को लेकर मुख्यमंत्री ने विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए।

पटाखों की दुकानें और अस्थायी गोदाम घनी आबादी से दूर खुले व सुरक्षित स्थानों पर ही स्थापित किए जाएं। इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) और लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया में अनावश्यक विलंब न हो। अग्निशमन विभाग को पर्याप्त फायर टेंडरों और आवश्यक जीवनरक्षक उपकरणों के साथ 24 घंटे हाई अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है।

नगर विकास एवं पंचायती राज विभाग को मलिन बस्तियों से लेकर पॉश कॉलोनियों तक स्वच्छता और प्रकाश व्यवस्था का विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। सभी क्षेत्रों में नियमित सैनिटाइजेशन और एंटी-लार्वा फॉगिंग कराई जाए तथा कहीं भी जलभराव, कूड़े के ढेर अथवा सड़कों पर गड्ढों की स्थिति न रहे। पर्वों के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में रोस्टरमुक्त निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा शुद्ध पेयजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

परिवहन विभाग को अतिरिक्त बसों के संचालन के निर्देश देते हुए कहा गया कि अनफिट और डग्गामार वाहनों पर प्रभावी अंकुश लगाया जाए तथा निजी बस संचालकों द्वारा मनमाना किराया वसूलने की शिकायतों पर तत्काल दंडात्मक कार्रवाई की जाए। जनहित, किसान कल्याण और कर्मचारी हितों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पूर्ण पारदर्शिता बरतने के निर्देश दिए। घटतौली की शिकायत मिलने पर ऐसी कठोर कार्रवाई की जाए, जो दूसरों के लिए नजीर बने। सेवानिवृत्त पेंशनरों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निस्तारण किया जाए।

इसके अलावा, आउटसोर्स कार्मिकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का मानदेय त्योहार से पूर्व अनिवार्य रूप से उनके खातों में अंतरित किया जाए। किसानों के हितों की रक्षा पर बल देते हुए जिलाधिकारियों को यूरिया व डीएपी खाद की पर्याप्त उपलब्धता पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं। प्रदेश में खाद का कृत्रिम संकट पैदा करने, जमाखोरी करने अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक दर पर बिक्री करने वालों के विरुद्ध तत्काल प्राथमिकी दर्ज कर कठोर कार्रवाई की जाए।

संपादक की कलम

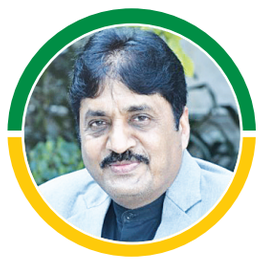
गिग वर्कर्स की सुरक्षा का सवाल

बदलती अर्थव्यवस्था में रोजगार के स्वरूप तेजी से बदल रहे हैं। डिजिटल तकनीक और इंटरनेट आधारित सेवाओं ने काम करने के पारंपरिक तरीकों को चुनौती दी है। आज कोई व्यक्ति मोबाइल एप के माध्यम से भोजन पहुँचाकर, ऑनलाइन टैक्सी चलाकर, सामान की डिलीवरी करके, घरेलू सेवाएँ उपलब्ध कराकर या स्वतंत्र डिजिटल कार्य करके अपनी आजीविका अर्जित कर सकता है। रोजगार का यह स्वरूप गिग इकोनॉमी कहलाता है और इसमें काम करने वाले लोग गिग वर्कर्स के रूप में पहचाने जाते हैं। इन श्रमिकों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे अपनी सुविधा और उपलब्धता के अनुसार काम चुन सकते हैं, लेकिन इस लचीलेपन के साथ उनकी आजीविका में असुरक्षा भी जुड़ी हुई है। नियमित कर्मचारियों की तरह उन्हें वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, चिकित्सा सुविधा और सवेतन अवकाश जैसी सुविधाएँ सामान्यतः उपलब्ध नहीं होतीं। इसलिए गिग वर्कर्स के लिए सामाजिक सुरक्षा अब केवल श्रम कल्याण का विषय नहीं, बल्कि समावेशी विकास और आर्थिक न्याय की अनिवार्य शर्त बन गई है। भारत में डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार ने गिग रोजगार को नई गति दी है। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, देश में गिग वर्कर्स की संख्या वर्ष 2029-30 तक लगभग 2.35 करोड़ होने का अनुमान है। यह संख्या बताती है कि आने वाले समय में रोजगार का यह क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा बनने वाला है। भोजन की आपूर्ति, परिवहन, ई-कॉमर्स, घरेलू सेवाओं और विभिन्न डिजिटल मंचों पर काम करने वाले लाखों लोग शहरों की आर्थिक गतिविधियों को गति दे रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत कमजोर बनी हुई है। एक डिलीवरी कर्मी सड़क दुर्घटना का शिकार हो जाए तो उसकी आमदनी तत्काल बंद हो सकती है। बीमारी के कारण कई दिन काम न कर पाने पर परिवार का खर्च चलाना कठिन हो जाता है। महिलाओं के सामने मातृत्व अवकाश और आय की निरंतरता जैसी चुनौतियाँ हैं। वृद्धावस्था में नियमित पेंशन का अभाव उनकी चिंता को और बढ़ा देता है। सामाजिक सुरक्षा का मूल उद्देश्य श्रमिकों को जीवन की अनिश्चित परिस्थितियों में आर्थिक सहारा देना है। गिग वर्कर्स के संदर्भ में इसका महत्व और अधिक बढ़ जाता है, क्योंकि उनकी आय काम की उपलब्धता, ग्राहकों की माँग, मौसम, मंचों की नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं पर निर्भर करती है। कई बार मंचों द्वारा भुगतान की दरों में बदलाव या प्रोत्साहन राशि में कटौती से उनकी वास्तविक आय प्रभावित होती है। ऐसे में दुर्घटना बीमा, जीवन बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा, मातृत्व लाभ और वृद्धावस्था पेंशन जैसी सुविधाएँ उन्हें आर्थिक संकट से बचा सकती हैं। सामाजिक सुरक्षा का लाभ केवल श्रमिक तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके पूरे परिवार को सुरक्षा प्रदान करता है। इससे गरीबी, असमानता और आर्थिक अस्थिरता को कम करने में भी सहायता मिलती है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 में गिग वर्कर्स और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को अलग श्रेणी के रूप में मान्यता दी गई है। इस संहिता के अंतर्गत उनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ बनाने और लागू करने का प्रावधान किया गया है। राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उद्देश्य श्रमिकों, एग्रीगेटर्स और सरकार के बीच समन्वय स्थापित करना तथा कल्याणकारी योजनाओं की दिशा तय करना है। 22 सदस्यीय राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में विभिन्न हितधारकों की भागीदारी का प्रावधान इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ऐसे बोर्ड केवल योजनाओं की अनुशंसा करने वाली संस्थाएँ न बनें, बल्कि श्रमिकों की वास्तविक समस्याओं को समझकर उनके समाधान का प्रभावी माध्यम बनें, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है।



ललित शर्मा
संपादक

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि



ललित गर्ग
लेखक

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव।

तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है-''तनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना।''

यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है।

इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं।

दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं।



तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-'चिंता चिता समान है।' यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना।

यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चैतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी। प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं। हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गाठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए।

गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। वस्तुतः तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो।

हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है। अंततः जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है।

आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।

देश का आर्थिक विकास और स्वस्थ समाज की भूमिका



संजीव ठाकुर
लेखक

मानव जीवन में स्वास्थ्य सबसे बड़ा धन होता है' मनुष्य यदि स्वस्थ्य नहीं रहता तो वह न तो परिवार व समाज में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है और ना ही राष्ट्र निर्माण में योगदान दे सकता है' इसी तरह समय को भी धन ही कहा जाता है समय का जो सही सदुपयोग करता है वह उन्नति के शिखर पर होता है' मजबूत राष्ट्र सदैव समय की कीमत समझता है और जो समय की कीमत समझता है समय उसकी कीमत समझता है' समय का सही सदुपयोग न करने वाले अस्वस्थ मनुष्य का जीवन निराश एवं कुंठा ग्रस्त रहता है' इसीलिए स्वास्थ्य को जीवन का अनमोल रत्न माना जाता है या यूं कहें कि स्वास्थ्य ही धन होता है' इसीलिए भारत में 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिट इंडिया अभियान की शुरूआत की गई, जिसके माध्यम से लोगों को खेल और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाना है जिससे स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत और सशक्त भारत का निर्माण हो सके' भारत को एक प्रगतिशील एवं मजबूत राष्ट्र बनाने की आवश्यकता है' इसी संदर्भ में भारत सरकार द्वारा एक महत्वकांक्षी योजना बनाकर इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है' इस अभियान को जन आंदोलन के रूप में पूरे भारत में विस्तृत कर पूरे भारतीय जनमानस को स्वास्थ्य के प्रति स्वच्छता के प्रति लगाव पैदा कर पूर्व संपूर्ण भारत को स्वस्थ बनाने का धीरे लेकर आगे बढ़ना होगा' फिट इंडिया मूवमेंट आगामी कई वर्षों तक संचालित रहेगा स्वास्थ्य को लेकर अलग-अलग विषयों पर अभियान चलाया जाएगा शुरूआत शारीरिक फिटनेस से,फिर भोजन की आदतें, तीसरे वर्ष पर्यावरण अनुकूलता और जीवन शैली पर प्रभाव,फिर रोगों तथा बीमारियों को दूर करने के तरीकों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन तथा भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार 1990 से लेकर 1920 के बीच गैर संक्रामक बीमारियां बढ़ने की दर 55% हो गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार कुपोषण के आंकड़े और भी ज्यादा



गंभीर है। भारत सरकार की स्वास्थ्य रिपोर्ट के अनुसार हार्ट फेल, टी बी,अस्थमा डायबिटीज और क्रॉनिक किडनी डिजीज की वजह से देश में सबसे ज्यादा मृत्यु होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार सबसे स्वस्थ्य देशों की सूची में भारत का प्रदर्शन काफी निराशाजनक है। इस रिपोर्ट के अनुसार स्वास्थ्य की सूची में स्पेन पहले नंबर पर है और भारत 120 वें नंबर पर है।

भारत के संदर्भ में यह आंकड़े अत्यंत प्रतिकूल हैं,यह दशार्ते हैं कि भारत की आम जनता स्वास्थ तथा फिटनेस के प्रति कितनी गैर जिम्मेदार है। स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही के कारण हर साल भारत में हजारों लोग मृत्यु को प्राप्त हो जाते हैं। स्वास्थ्य गत कमी के कारण लोगों की मृत्यु तो होती ही है, साथ में आर्थिक क्षति की बहुत बड़ी होती है। इतनी ज्यादा मृत्यु तथा आर्थिक क्षति से देश की प्रगति तथा विकास में भी बाधा उत्पन्न होती है। भारत में वस्तुतः सभी प्रकार की बीमारी का मूल कारण भारतीय जनमानस की अनियमित जीवन शैली है।

लोग अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं देते, व्यायाम करने की जगह आराम करना पसंद करते हैं,जिस कारण भारत में स्वास्थ्य संकट दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है और इसीलिए फिट इंडिया मूवमेंट के संचालन की आवश्यकता बढ़ गई है, जिससे लोगों को उनकी सेहत के प्रति जागरूक किया जाना अत्यंत आवश्यक है। पूरा विश्व स्वास्थ्य के प्रति जागरूक है पड़ोसी देश चीन ने स्वस्थ चाइना मिशन 2030 तक चलाने का एक कार्यक्रम बनाया है। ऑस्ट्रेलिया ने भी वर्ष 2030 तक अपने नागरिकों को आलस भगाने तथा शारीरिक गतिविधियां बढ़ाने का मिशन चलाया है। जर्मनी ने फिट इनडीड ऑफ फैट अभियान चला रखा है। अमेरिका भी एक विशाल देश है जहां 32 करोड़ जनसंख्या है, उसने भी अपने नागरिकों को स्वस्थ तथा फिट रखने का अभियान चलाकर लोगों को फिटनेस ट्रेनिंग मुहैया करा दी है। मूलतः स्वस्थ रहने से अनेक बीमारियां स्वतह दूर चली जाती हैं, एवं बीमारियों में होने वाला खर्च की बचत भी होती है। इसके अलावा स्वस्थ व्यक्ति की कार्य क्षमता अत्यधिक बढ़ जाती है। स्वस्थ शरीर, स्वस्थ मन राष्ट्रीय निर्माण में सहायक होता है।

नियमित व्यायाम तथा योगा करने से हार्ट, डायबिटीज,ब्लड प्रेशर आदि की बीमारियों से बचा जा सकता है हिंदुस्तान में हृदय रोग डायबिटीज और ब्लड प्रेशर के लाखों मरीज ढहें, और सबसे ज्यादा इलाज में इन्हीं लोगों में धनराशि खर्च की जाती है अतः जनमानस को स्वस्थ रखकर इन बीमारियों से दूर रखने के लिए भारत सरकार ने क्विट इंडिया मूवमेंट चला रखा है जिससे जनमानस का स्वास्थ अच्छा रहकर विकास तथा प्रगति की राह पर इनके योगदान को बढ़ाया जा सके। शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार व्यक्ति के जीवन में पारिवारिक व्यक्तिगत संबंधों एवं व्यवसाय तथा आर्थिक गतिविधियों एवं हर सामाजिक पहलू पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य पर होने वाले खर्च को भी कम करके आप परिवार तथा समाज में सहायता प्रदान कर सकते हैं, एवं इससे आपको आर्थिक लाभ का भी फायदा होता है। भारत में यदि स्वस्थ्य जनमानस होगा तो सकल घरेलू उत्पाद में 2 प्रतिशत तक की वृद्धि हो सकती है उत्पादकता और आय में बढ़ोतरी होगी क्योंकि स्वास्थ्य में सुधार होने से बीमारी में होने वाले खर्च में बहुत कमी होने की संभावना होती है। इस तरह राष्ट्रीय परिपेक्ष में आमजन को स्वस्थ रहना सरकार की सफलता ही होगी। क्योंकि व्यक्ति से समाज बनता है और समाज से राष्ट्र बनता है एक व्यक्ति का मस्तिष्क तथा शरीर यदि स्वस्थ रहें तो संपूर्ण समाज स्वस्थ रहेगा और इस तरह संपूर्ण राष्ट्र स्वस्थ रहेगा और स्वस्थ रहने से सकारात्मक ऊर्जा का संचार पूरे देश में होगा। इस तरह राष्ट्र की प्रगति तथा विकास द्रुत गति से होने लगेगा, अतः स्वस्थ रहें मस्त रहें और यह समझ ले कि स्वास्थ ही एक बड़ा धन होता है।

जो मिला, वह लाजवाब है



किशन भावनानीं
कविता

जो खोया, उसका गम नहीं,
बीते कल का अब मातम नहीं,
जो मिला है,वह कमाल है,
मेरे हिस्से का वही तो खयाल है।

जो छूट गया, उसे जाने दिया,
हर दर्द को मुस्कान में पिरो लिया,
जो पास है,उसकी कद्र करूँ,
हर पल को जीकर अमर करूँ।

जो नहीं है, वह एक ख़्वाब है,
जिसकी चाहत में दिल बेताब है,
पर जो मिला है,वह लाजवाब है,
मेरी ज़िंदगी का सबसे सुंदर जवाब है।

न शिकायत है,न कोई शिकवा,
न बीते कल का कोई गिला,
जो आज मिला,वही अनमोल है,
हर साँस में खुशियों का बोल है।

खोने से सीखा, पाने का मान,
किशन संघर्ष से पाया,जीवन का ज्ञान,
जो मिला है, उसे दिल से सँवारूँ,
हर हाल में शुक्रगुजार रहूँ।

रात्रि-भोजन का अपना शब्द क्यों नहीं? भाषा, संस्कृति और परंपरा का अनोखा संबंध



डॉ विजय गर्ग
लेखक

भाषा केवल विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम नहीं होती, बल्कि यह किसी समाज की संस्कृति, जीवनशैली, परंपराओं और ऐतिहासिक अनुभवों का आईना भी होती है। हमारे दैनिक जीवन में भोजन का विशेष महत्व है। सुबह के भोजन को नाश्ता, दोपहर के भोजन को दोपहर का खाना और रात के भोजन को रात का खाना कहा जाता है। लेकिन एक दिलचस्प सवाल यह है कि हमारी अनेक भारतीय भाषाओं में रात्रि-भोजन के लिए कोई ऐसा विशिष्ट और सर्वमान्य पारंपरिक शब्द क्यों नहीं है, जैसा सुबह और दोपहर के भोजन के लिए प्रचलित है? हिंदी में सुबह के भोजन के लिए 'नाश्ता' और दोपहर के भोजन के लिए 'दोपहर का खाना' या 'भोजन' जैसे शब्द प्रचलित हैं। रात के भोजन के लिए सामान्यतः 'रात का खाना' या 'रात्रि-भोजन' कहा जाता है। पंजाबी में सुबह के भोजन को ' ', दोपहर के भोजन को ' ' और रात के भोजन को ' ' कहा जाता है। इसी प्रकार विभिन्न भारतीय भाषाओं में भोजन के समय और प्रकृति के अनुसार अलग-अलग अभिव्यक्तियां मिलती हैं। इसका एक महत्वपूर्ण कारण हमारी पारंपरिक जीवनशैली हो सकती है। पुराने समय में अधिकांश भारतीय समाज कृषि आधारित था। लोग सूर्योदय के साथ अपने काम शुरू करते थे और सूर्यास्त के बाद गतिविधियां सीमित हो जाती थीं। भोजन का समय भी प्राकृतिक दिनचर्या और श्रम के अनुसार निर्धारित होता था। सुबह और दोपहर के भोजन की अपनी विशेष उपयोगिता थी, जबकि



शाम को लिया जाने वाला भोजन सामान्यतः घर के पारिवारिक जीवन का हिस्सा होता था। इसलिए उसके लिए अलग नाम विकसित होने के बजाय समय बताने वाली अभिव्यक्तियां अधिक प्रचलित हो गईं। भाषा का विकास समाज की आवश्यकताओं के अनुसार होता है। जिन चीजों की दैनिक जीवन में अलग पहचान और उपयोगिता होती है, उनके लिए विशेष शब्द विकसित हो जाते हैं। उदाहरण के लिए, विभिन्न क्षेत्रों में सुबह के भोजन के लिए नाश्ता, जलपान, कलेवा और अल्पाहार जैसे शब्द मिलते हैं। इसी प्रकार रात के भोजन के लिए भी कई भाषाओं और क्षेत्रों में अलग-अलग स्थानीय शब्द और बोलियां प्रचलित हैं। इसलिए यह कहना पूरी तरह सही नहीं होगा कि रात्रि-भोजन के लिए हमारी भाषाओं में कोई शब्द मौजूद ही नहीं है। अंतर केवल इतना है कि सभी क्षेत्रों में कोई एक समान शब्द प्रचलित नहीं हुआ। अंग्रेजी भाषा में सुबह के भोजन को इर्ी'ा२३, दोपहर के भोजन को छ४ल्लूँ और रात के भोजन को ङ्मल्लल्ली१ कहा जाता है। ये शब्द भोजन के समय और सामाजिक परंपराओं के आधार पर विकसित हुए हैं। अंग्रेजी में ङ्मल्लल्ली१ का अर्थ हमेशा रात का भोजन ही नहीं होता; कुछ परिस्थितियों में यह दिन के मुख्य भोजन के लिए भी प्रयुक्त होता है। इससे स्पष्ट होता है कि शब्दों का अर्थ केवल समय से नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक परिस्थितियों से भी निर्धारित होता है। भारतीय भाषाओं में भोजन से जुड़े शब्दों की विविधता हमारी सांस्कृतिक समृद्धि को दशार्ती है। कहीं रात के भोजन को रोटी, कहीं खाना, कहीं ब्यालू और कहीं भोजन कहा जाता है। दक्षिण भारत की कुछ भाषाओं में रात्रि-भोजन के लिए विशिष्ट स्थानीय शब्द भी प्रचलित हैं। कन्नड़ में 'ऽ७ा६७' (ऊटा) भोजन के लिए एक सामान्य शब्द है, जबकि मराठी में 'जेवण' का प्रयोग भोजन के अर्थ में होता है। आज बदलती जीवनशैली ने भोजन के समय और स्वरूप को भी प्रभावित किया है। शहरों में देर रात तक काम करना, बदलते रोजगार, संयुक्त परिवारों का कम होना और फास्ट फूड संस्कृति का विस्तार हमारी भोजन संबंधी आदतों को बदल रहे हैं। अब रात का भोजन केवल पारिवारिक परंपरा नहीं, बल्कि व्यस्त जीवन का एक आवश्यक हिस्सा भी बन गया है। इस विषय पर विचार करना केवल शब्दों की खोज तक सीमित नहीं है। यह हमारी भाषाओं के विकास, सांस्कृतिक पहचान और बदलती सामाजिक परंपराओं को समझने का अवसर भी प्रदान करता है। हमें अपनी मातृभाषाओं के स्थानीय शब्दों, मुहावरों और अभिव्यक्तियों को संरक्षित करना चाहिए। भाषाओं की वास्तविक सुंदरता उनकी विविधता और लोकजीवन से जुड़े शब्दों में छिपी होती है।

अंततः, किसी भाषा में किसी विशेष शब्द का कम प्रचलित होना उसकी कमजोरी नहीं है। भाषा समाज के साथ विकसित होती है और उसकी आवश्यकताओं के अनुसार नए शब्द अपनाती रहती है।

भाषा केवल शब्दों का संग्रह नहीं,

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्रः 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह में 162 जोड़ों ने थामा एक-दूसरे का हाथ

गढ़मुक्तेश्वर के होटल ली पैलेस में धूमधाम से संपन्न हुआ विवाह समारोह, हिंदू और मुस्लिम समुदाय के जोड़े हुए शामिल

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा







हापुड़। सामाजिक समरसता, आपसी भाईचारे और गरीब परिवारों की बेटियों के सम्मान के उद्देश्य से समाज कल्याण विभाग की ओर से गढ़मुक्तेश्वर तहसील स्थित होटल ली पैलेस में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में जनपद के कुल 162 जोड़ों का विवाह पारंपरिक रीति-रिवाजों एवं धार्मिक परंपराओं के अनुसार संपन्न कराया गया। इस आयोजन में हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के जोड़ों ने हिस्सा लेकर सामाजिक एकता और सौहार्द का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नागर, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया, जिलाधिकारी कविता मीना (आईएएस) एवं मुख्य विकास अधिकारी श्रुति शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। इसके बाद विवाह समारोह की विभिन्न रस्में संपन्न कराई गईं। पूरे आयोजन में उत्सव और खुशियों का माहौल देखने को मिला। नवविवाहित जोड़ों के परिजनों और रिश्तेदारों ने भी समारोह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में कुल 162 जोड़ों का विवाह संपन्न कराया गया। शासन की ओर से निर्धारित प्रावधानों के अनुसार सभी नवविवाहित जोड़ों को अनुदान राशि, उपहार स्वरूप गृहस्थी का आवश्यक सामान तथा विवाह प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस योजना के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अपनी बेटियों के विवाह में आर्थिक सहायता मिलती है और उन्हें सम्मानपूर्वक विवाह संपन्न कराने का अवसर प्राप्त होता है। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखमय वैवाहिक जीवन की कामना की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना जरूरतमंद परिवारों के लिए एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी पहल है। इससे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को बड़ी राहत मिलती है। साथ ही समाज में जाति और धर्म से ऊपर उठकर आपसी भाईचारे एवं सामाजिक समरसता की भावना को भी मजबूती मिलती है।

समारोह के दौरान जिलाधिकारी कविता मीना ने उपस्थित लोगों से एक महत्वपूर्ण अपील भी की। उन्होंने कहा कि जिन नवविवाहित जोड़ों की अभी तक मतदाता पहचान पत्र नहीं बना है, वे अपना मतदाता पहचान पत्र अवश्य बनवाएं, ताकि वे लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें। इसके लिए कार्यक्रम स्थल पर ही बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की तैनाती की गई थी। बीएलओ ने नवविवाहित जोड़ों एवं उनके परिजनों को मतदाता पहचान पत्र से संबंधित जानकारी दी तथा मौके पर ही आवश्यक प्रपत्र भरवाने की व्यवस्था की। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना जरूरी है, जिससे कोई भी पात्र व्यक्ति अपने मताधिकार से वंचित न रहे। कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख, खंड विकास अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने नवविवाहित जोड़ों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह ने न केवल जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान किया, बल्कि हिंदू और मुस्लिम समुदाय के जोड़ों की सहभागिता के माध्यम से सामाजिक सद्भाव, एकता और भाईचारे का भी संदेश दिया।

सरस्वती मेडिकल कॉलेज में जिला स्तरीय आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन सम्मेलन आयोजित

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के एकीकरण पर हुआ मंथन, जिलाधिकारी कविता मीना ने निजी अस्पतालों और चिकित्सकों से मिशन से जुड़ने की अपील की

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। जनपद के पिलखुवा क्षेत्र स्थित अनवरपुर गांव के सरस्वती मेडिकल कॉलेज में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी कविता मीना (आईएएस) उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का मुख्य विषय जनपद के डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण रहा। इस दौरान स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने, मरीजों के डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड तैयार करने और सरकारी एवं निजी चिकित्सा संस्थानों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। सम्मेलन में आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी देते हुए आभा (एबीएचए) पहचान पत्र निर्माण, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन तथा डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड के महत्व पर प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने बताया कि डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था के माध्यम से मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। इससे मरीजों को बार-बार अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट और चिकित्सकीय दस्तावेज साथ लेकर चलने की आवश्यकता भी कम होगी।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कविता मीना ने अपने संबोधन में कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी पहल है। इसके माध्यम से जनपद के नागरिकों का डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इससे मरीजों को सरकारी और निजी दोनों प्रकार की स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्राप्त करने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था से उपचार प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और प्रभावी बनेगी। मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध होने से चिकित्सकों को उपचार के दौरान आवश्यक मेडिकल रिकॉर्ड देखने में सुविधा मिलेगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। जिलाधिकारी ने जनपद के सभी निजी अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों और चिकित्सकों से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों के साथ निजी क्षेत्र की सक्रिय भागीदारी भी बेहद आवश्यक है। सभी स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के एकीकृत डिजिटल नेटवर्क से जुड़ने पर जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर समन्वय स्थापित हो सकेगा। सम्मेलन में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आभा पहचान पत्र के प्रति आम लोगों को जागरूक करने और अधिक से अधिक स्वास्थ्य संस्थानों का पंजीकरण सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य जनपद में डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को मजबूत करना तथा आम नागरिकों को तकनीक आधारित बेहतर, सुगम और पारदर्शी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए सरकारी एवं निजी चिकित्सा क्षेत्र को एक मंच पर लाना रहा।

बंटवारे के विवाद में पुलिस ने बुलाया था थाने, सुनीता का आरोप- थाने के अंदर ही काट दिया बाइक का चालान

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र की बालाजीपुरम चौकी से जुड़ा एक मामला सामने आया है। पारिवारिक बंटवारे के विवाद के सिलसिले में थाने पहुंची महिला की बाइक का चालान किए जाने का आरोप है।

महिला सुनीता के मुताबिक, परिवार में बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। इसी मामले में पुलिसकर्मियों ने उन्हें थाने बुलाया था। वह अपनी बाइक से थाने पहुंचीं। आरोप है कि थाने के अंदर ही बिना नंबर प्लेट होने के आधार पर उनकी बाइक का चालान कर दिया गया। सुनीता का कहना है कि वह पुलिस के बुलावे पर अपनी फरियाद लेकर थाने गई थीं, लेकिन वहां उनकी बाइक का चालान कर दिया गया। इस घटना के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। सवाल यह भी है कि जब महिला को पुलिस ने खुद थाने बुलाया था, तो क्या चालान करने से पहले उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी, मामले में थाना हाईवे के संबंधित अधिकारियों से निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट करने की अपेक्षा है। इस घटना ने आम नागरिकों के मन में पुलिस के व्यवहार और कार्यशैली को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का मानना है कि थाने में शिकायत लेकर पहुंचने वाले फरियादियों के साथ संवेदनशीलता और सम्मानजनक व्यवहार होना चाहिए। यदि वाहन पर यातायात नियमों के उल्लंघन का मामला था तो नियमानुसार कार्रवाई की जा सकती है, लेकिन पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि चालान किन परिस्थितियों में किया गया।

किसान मोर्चा की नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी की परिचय बैठक संपन्न



वेलकम इंडिया/नितिन शर्मा

बिजनौर। भाजपा जिला कार्यालय पर किसान मोर्चा जिला बिजनौर की नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी की परिचय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य अतिथि भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नोनिहाल सिंह रहे। इस मौके पर किसान मोर्चा के निवर्तमान जिलाध्यक्ष खेल सिंह राजपूत, क्षेत्रीय कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार चौहान एवं अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री सुधीर भुइयार मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष सुधीन्द्र चौधरी ने की। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त कर संगठन की आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में बहुत से किसान इनका लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। किसान मोर्चा के कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों को इन योजनाओं की जानकारी देंगे और पात्र किसानों को उनका लाभ दिलाने में सहयोग करेंगे। उन्होंने आगामी विधानसभा चुनावों के दृष्टिगत संगठन को मजबूत करने, किसानों के बीच निरंतर संवाद स्थापित करने तथा बूथ स्तर तक किसान मोर्चा की सक्रियता बढ़ाने के लिए नई रणनीति तय की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों से संगठन की जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का आह्वान किया। बैठक में नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी कविता मीना ने स्ट्रांग रूम और रवांगी स्थल का किया निरीक्षण

नवीन मंडी पहुंचकर सुरक्षा एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा, त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

वेलकम इंडिया/हरेंद्र शर्मा



हापुड़। आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कविता मीना (आईएएस) ने नवीन मंडी परिसर में स्थित स्ट्रांग रूम एवं पोलिंग पार्टियों के रवांगी स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव संबंधी व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, वहां स्थापित सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, बैरिकेडिंग तथा साफ-सफाई की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सभी सुरक्षा उपकरण पूरी तरह क्रियाशील रहें और उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए।

इसके बाद जिलाधिकारी ने रवांगी स्थल का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टियों के आवागमन और अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने वाहनों की पार्किंग, मतदान कर्मियों के बैठने की व्यवस्था, निर्वाचन सामग्री के वितरण तथा मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामग्री जमा कराने की व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टियों को निर्वाचन सामग्री प्राप्त करने और अपने निर्धारित मतदान केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी कविता मीना ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित सभी मानकों और दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाए। सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं, ताकि निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य अत्यंत संवेदनशील और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसमें प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इसलिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय बनाकर कार्य करें और अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता से निर्वहन करें। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि विधानसभा चुनाव को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए तथा निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों को तत्काल दूर कराया जाए।

गन्ना मूल्य 500 रुपये प्रति कुंतल करने की मांग को लेकर मेरठ कमिश्नरी में गरजे हापुड़ के किसान

भाकियू (अराजनैतिक) की मंडलीय महापंचायत में सैकड़ों किसानों ने भरी हुंकार, मुख्यमंत्री के नाम छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह



हापुड़। किसानों की विभिन्न समस्याओं, गन्ने के उचित मूल्य और बकाया भुगतान को लेकर मंगलवार को मेरठ कमिश्नरी में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) की मंडलीय विशाल महापंचायत आयोजित की गई। महापंचायत में हापुड़ जनपद से जिलाध्यक्ष चौ. पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों किसानों ने पहुंचकर अपनी मांगों को जोरदार तरीके से उठाया। किसानों ने नारेबाजी करते हुए मुख्यमंत्री के नाम छह सूत्रीय ज्ञापन सौंपा और समस्याओं का शीघ्र समाधान कराने की मांग की। महापंचायत में संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ. धर्मेंद्र मलिक मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। महापंचायत में हापुड़ के जिलाध्यक्ष चौ. पवन हूण गुर्जर ने जनपद के किसानों से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाते हुए कहा कि लगातार बढ़ती खेती की लागत, खाद, बीज, बिजली और डीजल के खर्च ने किसानों की आर्थिक स्थिति पर दबाव बढ़ा दिया है। ऐसे में किसानों को उनकी फसल का लाभकारी मूल्य मिलना बेहद जरूरी है। उन्होंने सरकार से गन्ने का मूल्य बढ़ाकर 500 रुपये प्रति कुंतल घोषित करने की मांग की, ताकि किसानों को उनकी मेहनत का उचित लाभ मिल सके। किसान नेताओं ने बिजली बिलों में वर्ष 2004 से चली आ रही कथित गड़बड़ियों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से किसान बिजली बिलों से जुड़ी समस्याओं का सामना कर रहे हैं। सरकार को इन गड़बड़ियों की जांच कराकर किसानों को राहत देनी चाहिए। इसके साथ ही अच्छे दूध का लाभकारी मूल्य 100 रुपये प्रति लीटर निर्धारित करने की मांग की गई, ताकि पशुपालन से जुड़े किसानों को भी उनकी मेहनत का उचित आर्थिक लाभ मिल सके। महापंचायत में खतौनी में अंश निर्धारण से संबंधित त्रुटियों का मामला भी जोरदार तरीके से उठाया गया। किसानों ने मांग की कि तहसील स्तर पर विशेष निःशुल्क शिविर लगाए जाएं, जिनमें किसानों की खतौनी संबंधी समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा सके। इससे किसानों को अनावश्यक रूप से सरकारी कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। महापंचायत में सिंभावली और ब्रजनाथपुर चीनी मिलों पर किसानों के 120 करोड़ रुपये से अधिक के बकाया गन्ना भुगतान का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। किसान नेताओं ने मांग की कि किसानों का बकाया भुगतान ब्याज सहित तत्काल कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसान अपनी उपज चीनी मिलों को देने के बाद भुगतान के लिए लंबे समय तक इंतजार करने को मजबूर हैं। इससे किसानों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाता है और खेती से जुड़े जरूरी खर्चों को पूरा करना भी मुश्किल हो जाता है। किसान नेताओं ने यह भी मांग रखी कि हापुड़ जनपद में उन्हीं चीनी मिलों को गन्ना आवंटित किया जाए, जो किसानों का भुगतान 14 दिन के भीतर सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी दी कि जब तक किसानों का बकाया भुगतान नहीं किया जाता, तब तक चीनी मिलों का संचालन नहीं होने दिया जाएगा। किसानों का कहना था कि समय पर भुगतान करना चीनी मिलों की जिम्मेदारी है और इस मामले में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। महापंचायत के मुख्य अतिथि एवं भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ. धर्मेंद्र मलिक ने हापुड़ के किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। गन्ने का उचित मूल्य, समय पर भुगतान, बिजली बिलों की गड़बड़ियों का समाधान और राजस्व अभिलेखों की त्रुटियां दूर करना किसानों की प्रमुख जरूरतें हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसानों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन को और तेज करने के लिए मजबूर होगा। महापंचायत में जिलाध्यक्ष चौ. पवन हूण गुर्जर के नेतृत्व में कटार सिंह, मोनू त्यागी, रवि भाटी, सुधीर त्यागी, जितेंद्र नागर, पवन फौजी, जोगिंदर मावी, विजय यादव, राजवीर भाटी, रूपराम सिंह, संजय त्यागी, बिजेंद्र अधाना, लीले सिंह, रामकुमार, कैप्टन महिपाल सिंह, अनिल हूण, अशोक राणा, अतुल त्यागी, मनोज, रकम सिंह, ओपी भाटी, विनीत नागर, कुलदीप, विक्की त्यागी, रविंद्र भाटी, अनिल अधाना, डॉ. ओंकार, विनित परसवाड़ा, रिंकू हूण, ग्रंथ हूण, अंकित मावी, संजय हूण, अभिषेक हूण, ईश्वर गुर्जर, ओंकार, महेश पधान, जगबीर, विजय हूण, पंकज और नरेंद्र सहित सैकड़ों किसान मौजूद रहे। महापंचायत के माध्यम से किसानों ने एकजुटता दिखाते हुए स्पष्ट संदेश दिया कि उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले दिनों में आंदोलन को व्यापक रूप दिया जाएगा।

खटीमा के विकास को मिली नई रफ्तार, 14.97 करोड़ से चौड़ा होगा खटीमा चौक से थारू विकास भवन तक मोटर मार्ग

आवागमन सुगम होने के साथ जाम की समस्या से मिलेगी राहत: सीएम धामी

वेलकम इंडिया संवाददाता







देहरादून। उत्तराखंड में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा को बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री ने खटीमा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान खटीमा चौक से थारू विकास भवन तक 14.97 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित मोटर मार्ग चौड़ीकरण कार्य का विधिवत भूमि पूजन किया। इस सड़क के चौड़ीकरण से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के साथ-साथ स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और आसपास के गांवों से आने-जाने वाले लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की महत्वपूर्ण आधारशिला होती है। खटीमा चौक से थारू विकास भवन तक मोटर मार्ग के चौड़ीकरण से यातायात का दबाव कम होगा और लोगों को जाम की समस्या से काफी हद तक राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस मार्ग के बेहतर होने से स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और क्षेत्र के लोगों का आवागमन पहले की अपेक्षा अधिक सुगम हो सकेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खटीमा की जनता के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस क्षेत्र से उनका रिश्ता केवल एक जनप्रतिनिधि का नहीं है, बल्कि मां और बेटे के अटूट रिश्ते जैसा है। यहां के लोगों का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद उन्हें लगातार प्रदेश की सेवा करने की प्रेरणा और ऊर्जा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि खटीमा की जनता ने हमेशा उन्हें अपना प्यार दिया है और क्षेत्र के विकास के लिए उनकी सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार खटीमा के समग्र विकास को लेकर लगातार योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर रही है। क्षेत्र में सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन और अन्य बुनियादी सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। शिक्षा के क्षेत्र में राजकीय महाविद्यालय में भवन निर्माण, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) और बालिका विद्यालयों के आधुनिकीकरण जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी गई है, जिससे विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में सड़कों के चौड़ीकरण, पुलों के निर्माण और बस अड्डे जैसी परिवहन सुविधाओं के विकास से आम लोगों को लाभ मिल रहा है। सरकार का प्रयास है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच बेहतर संपर्क स्थापित हो तथा लोगों को आवागमन के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक मार्ग उपलब्ध कराए जाएं। मुख्यमंत्री ने किसानों के हितों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत बनाने और किसानों को उनकी उपज का उचित लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। खटीमा क्षेत्र की चीनी मिल के संचालन, गन्ने की समय पर पेराई और किसानों को भुगतान सुनिश्चित करने को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों की समस्याओं का समाधान और उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाना सरकार की महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि खटीमा में जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए भी व्यापक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं। इसके साथ ही ऑक्सीजन पार्क, क्रोकोडाइल पार्क और धार्मिक स्थलों के विकास से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा।

प्रधानाचार्य पदों पर आवेदन के लिए अनुभव प्रमाण पत्र जारी न होने से शिक्षकों में आक्रोश

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मिलकर सौंपा चार सूत्रीय ज्ञापन

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ ने शिक्षकों की विभिन्न लंबित समस्याओं और जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताई है। मंगलवार को संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी से मुलाकात कर चार सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों के अनुभव प्रमाण पत्र जारी न किए जाने, चयन वेतनमान की पत्रावलियां लंबित रखने, अवशेष देयकों का भुगतान न होने तथा प्रोजेक्ट अलंकार की दूसरी किस्त की धनराशि विद्यालयों के खातों में हस्तांतरित न किए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। इस दौरान प्रदेश मंत्री संजय द्विवेदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज द्वारा प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापक के विज्ञापित पदों पर आवेदन मांगे गए हैं, लेकिन जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा संबंधित शिक्षकों को अनुभव प्रमाण पत्र जारी नहीं किए जा रहे हैं। इसके कारण पात्र शिक्षक आवेदन करने से वंचित रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी शिक्षक का भविष्य प्रशासनिक स्तर पर प्रमाण पत्र जारी न होने के कारण प्रभावित नहीं होना चाहिए। विभाग को तत्काल अनुभव प्रमाण पत्र जारी करने की व्यवस्था सुनिश्चित करनी चाहिए। प्रदेश मंत्री ने कहा कि चयन वेतनमान से संबंधित अनेक शिक्षकों की पत्रावलियां जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में पिछले चार माह से लंबित पड़ी हैं। संगठन की ओर से बार-बार अनुरोध किए जाने के बावजूद उनका निस्तारण नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि व्यक्तिगत रूप से शिक्षकों को कार्यालय में बुलाकर आपत्तियों के नाम पर परेशान किया जा रहा है। इससे शिक्षकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। उन्होंने जनपद के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के अवशेष देयकों और एरियर भुगतान का मामला भी उठाया। उनका कहना था कि संबंधित देयकों के बिल महीनों से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा हैं, लेकिन इसके बावजूद शिक्षकों को उनका बकाया भुगतान नहीं मिल पा रहा है। संगठन ने लंबित भुगतान को तत्काल जारी कराने की मांग की।

संजय द्विवेदी ने प्रोजेक्ट अलंकार योजना के तहत जनपद के सात माध्यमिक विद्यालयों में निमार्णाधीन भवनों का मामला उठाते हुए कहा कि निर्माण कार्यों के लिए दूसरी किस्त की धनराशि अगस्त माह में ही निर्गत की जा चुकी है, लेकिन यह धनराशि अभी तक जनपद के कोषागार में पड़ी हुई है। संबंधित विद्यालयों द्वारा अपने हिस्से की 25 प्रतिशत मैचिंग धनराशि भी जमा कर दी गई है। इसके बावजूद जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की ओर से धनराशि विद्यालयों के प्रबंधकों के खातों में हस्तांतरित नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि धनराशि समय से उपलब्ध नहीं होने के कारण विद्यालयों में निर्माण कार्य प्रभावित हो रहे हैं और निर्धारित समय सीमा में कार्य पूरा करना मुश्किल हो रहा है। संगठन ने मांग की कि संबंधित अधिकारियों को निर्देशित कर धनराशि तत्काल विद्यालयों के खातों में भेजी जाए, जिससे निर्माण कार्यों को गति मिल सके। जिलाधिकारी से मुलाकात के बाद संगठन का प्रतिनिधिमंडल जिला विद्यालय निरीक्षक उपेंद्र कुमार से भी मिला और उन्हें समस्याओं से अवगत कराते हुए ज्ञापन सौंपा। इस पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने संबंधित पटल सहायकों को बुलाकर सभी लंबित मामलों की जानकारी ली तथा समस्याओं का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त संगठन ने बौरव्यास के प्रधानाचार्य के निलंबन प्रकरण का अनुमोदन किए जाने पर भी नाराजगी जताई।

डीएम ने राजीव भवन के कार्यालयों का किया औचक निरीक्षण, जनसुनवाई में लापरवाही न बरतने के निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता



मथुरा। जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने मंगलवार को राजीव भवन स्थित विभिन्न कार्यालयों एवं पटलों का औचक निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति, अभिलेखों के रखरखाव और साफ-सफाई का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण में मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता, परियोजना निदेशक डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी अधिकारी सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक अपने कार्यालयों में उपस्थित रहकर जनसुनवाई सुनिश्चित करें। फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि शासकीय कार्यों में लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने राजीव भवन परिसर के कुछ हिस्सों में रंगाई-पुताई कराने, पार्क को हरा-भरा बनाने, उसके चारों ओर रेलिंग लगवाने तथा पुराने एवं जीर्ण-शीर्ण फर्नीचर को निष्प्रयोज्य घोषित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राजीव भवन के मुख्य द्वार पर संचालित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं की प्रेरणा कैंटीन में चाय पी। उन्होंने कहा कि जनपद के सभी 10 ब्लॉकों में प्रेरणा कैंटीन संचालित हैं। इसी मॉडल पर अस्पतालों में भी कैंटीन खुलवाने की कार्यवाही की जाएगी, जिससे लोगों को शुद्ध, स्वच्छ एवं पौष्टिक घरेलू भोजन उपलब्ध होने के साथ स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आय का स्रोत मिलेगा।

खलीलाबाद पुलिस ने 22.400 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ दो तस्करों को किया गया गिरफ्तार

एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज, पुलिस कर रही नेटवर्क की जांच

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। जनपद में मादक पदार्थों की तस्करी और अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 22.400 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से तस्करी में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल और दो एंड्रायड मोबाइल फोन भी बरामद किए हैं। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई है। पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन में मादक पदार्थों की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली खलीलाबाद जयप्रकाश दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार, 2 नवंबर 2026 को उपनिरीक्षक विनोद कुमार यादव, उपनिरीक्षक धर्मनाथ यादव, कांस्टेबल संतोष यादव और कांस्टेबल अमृतेश मिश्रा की टीम ने धौरहरा से सरही जाने वाले मार्ग पर बेलवनिया के पास घेराबंदी कर दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 22.400 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। इसके अतिरिक्त गांजे की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल और दो एंड्रायड मोबाइल फोन भी पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सईद खान उर्फ बब्लू पुत्र स्वर्गीय सलाहुद्दीन निवासी परदेशवा, थाना कोतवाली खलीलाबाद, जनपद संतकबीरनगर तथा राम अवतार पुत्र स्वर्गीय रामतीरथ निवासी चकौरा, थाना जलालपुर, जनपद अंबेडकरनगर के रूप में की है। गिरफ्तारी और बरामदगी के आधार पर थाना कोतवाली खलीलाबाद में मुकदमा अपराध संख्या 995/2026 के तहत धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि उन्हें गांजा एक अन्य व्यक्ति द्वारा उपलब्ध कराया गया था। उनके अनुसार, उक्त व्यक्ति उड़ीसा से गांजा मंगवाता है और उसके कहने पर दोनों आरोपी गांजे की खेप बिक्री के लिए पीपीगंज लेकर जा रहे थे।

भारत की जनगणना-2027 के दूसरे बैच का प्रशिक्षण संपन्न

578 प्रगणकों और पर्यवेक्षकों ने लिया प्रशिक्षण, उपजिलाधिकारी हृदय राम तिवारी ने पहुंचकर व्यवस्थाओं का किया निरीक्षण

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। भारत की जनगणना-2027 को सफलतापूर्वक संपन्न कराने की तैयारियों के तहत प्रभा देवी डिग्री कॉलेज खलीलाबाद में आयोजित प्रशिक्षण के दूसरे बैच का अंतिम दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस दौरान कुल 578 प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण स्थल पर पहुंचे उपजिलाधिकारी हृदय राम तिवारी ने प्रशिक्षण व्यवस्थाओं का जायजा लिया और प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की उपस्थिति की जानकारी प्राप्त की।

इस अवसर पर उपजिलाधिकारी हृदय राम तिवारी ने कहा कि जनगणना का कार्य अत्यंत महत्वपूर्ण और जिम्मेदारीपूर्ण है। इसमें एकत्रित किए जाने वाले आंकड़ों का उपयोग भविष्य की सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी नीतियों के निर्धारण में किया जाता है। इसलिए सभी प्रगणक अपने क्षेत्र में निर्धारित समय के भीतर पूरी सावधानी, निष्पक्षता और शुद्धता के साथ जनगणना कार्य संपन्न करें। उन्होंने कहा कि आंकड़ों में किसी प्रकार की त्रुटि नहीं होनी चाहिए। प्रशिक्षण के दौरान जनगणना से संबंधित सभी 40 प्रश्नों और उनके विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा करें, ताकि क्षेत्र में कार्य करते समय किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि भारत की यह पहली ऐसी जनगणना होगी, जिसमें आंकड़ों का संग्रह डिजिटल उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा। ऐसे में सभी प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को डिजिटल प्रक्रिया की पूरी जानकारी होना आवश्यक है।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षक सुनील कुमार और राकेश कुमार मिश्र ने जनगणना के निर्धारित 40 प्रश्नों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसमें माता-पिता के विवरण, दिव्यांगता, मातृभाषा एवं अन्य भाषाएं, साक्षरता, शैक्षणिक संस्थान में अध्ययन, उच्चतम शैक्षिक योग्यता, आर्थिक गतिविधियां, व्यवसाय, उद्योग एवं व्यापार, कर्मी का वर्ग, गैर आर्थिक गतिविधियां, काम की तलाश और कार्यस्थल तक पहुंचने के लिए यात्रा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रजनन संबंधी जानकारी, कोविड टीकाकरण, मोबाइल फोन, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पासपोर्ट एवं ड्राइविंग लाइसेंस से संबंधित विवरण एकत्र करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। प्रशिक्षकों ने प्रगणकों को बताया कि प्रत्येक प्रश्न का सही अर्थ समझकर ही संबंधित व्यक्ति से जानकारी प्राप्त की जाए, जिससे जनगणना के आंकड़े विश्वसनीय और त्रुटिरहित रहें।

कानूनगो संजय मिश्रा ने बताया कि जनगणना प्रशिक्षण के दूसरे बैच में कुल 578 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए 24 प्रशिक्षकों की नियुक्ति की गई है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम व्यवस्थित ढंग से संचालित किया जा रहा है और सभी प्रतिभागियों को जनगणना से जुड़ी प्रक्रियाओं एवं जिम्मेदारियों की जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण में जफीर अली, मुबारक हुसैन, अब्दुर्रहमान, रामकेश, विकास कुमार आनंद, राकेश यादव, राम कुमार, परवीन त्रिपाठी, हरिकेश, महिपाल, असरारुल हक, जुबेर अहमद, अरुण कुमार, धर्मराज, मोहम्मद यूसुफ, असदुल्ला, अखिलेश श्रीवास्तव, बदलू प्रसाद, जुनेद अहमद सहित अन्य प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे। प्रशासन की ओर से सभी प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों से अपेक्षा की गई कि वे प्रशिक्षण में प्राप्त जानकारी का उपयोग

वृहद रोजगार मेले में 867 युवाओं ने लिया हिस्सा, 412 अभ्यर्थियों का हुआ प्रारंभिक चयन

हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रोजगार मेले के साथ करियर काउंसलिंग कार्यक्रम आयोजित, चयनित अभ्यर्थियों को वितरित किए गए नियुक्ति पत्र

वेलकम इंडिया संवाददाता



संतकबीरनगर। युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार करने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के अंतर्गत जिला सेवायोजन कार्यालय संतकबीरनगर तथा हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय वृहद रोजगार मेले एवं करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवाओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। रोजगार मेले में लगभग 867 अभ्यर्थियों ने विभिन्न रोजगार अवसरों के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई, जिनमें से कुल 412 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ब्रजेश त्रिपाठी ने कहा कि भारत विश्व के सबसे युवा देशों में शामिल है और देश की युवा आबादी उसकी सबसे बड़ी ताकत है। युवाओं की ऊर्जा, प्रतिभा और कार्यक्षमता का सही दिशा में उपयोग करके देश को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में केवल शैक्षणिक डिग्री प्राप्त कर लेना रोजगार की गारंटी नहीं है। रोजगार हासिल करने के लिए विषयगत ज्ञान के साथ व्यावहारिक कौशल, तकनीकी दक्षता, संवाद क्षमता, अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण और निर्णय लेने की क्षमता भी बेहद आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी शैक्षणिक योग्यता के साथ-साथ व्यक्तित्व विकास और कौशल संवर्धन पर भी विशेष ध्यान दें, जिससे प्रतिस्पर्धा के इस दौर में रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि शैक्षिक महासंघ के संरक्षक प्रोफेसर विजय राय ने कहा कि आज का दौर प्रतिस्पर्धा, तकनीकी विकास और वैश्वीकरण का युग है। इस समय युवाओं के सामने अवसरों की कमी नहीं है, बल्कि जरूरत उन अवसरों को पहचानने और उनके अनुरूप स्वयं को तैयार करने की है। उन्होंने कहा कि बदलते समय के साथ युवाओं को नई तकनीकों और कार्यक्षेत्रों की जानकारी हासिल करनी चाहिए। निरंतर सीखने की प्रवृत्ति और मेहनत के बल पर युवा अपने भविष्य को बेहतर बना सकते हैं। महाविद्यालय के प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के संयोजक डॉ. विजय कुमार मिश्र ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि रोजगार को केवल नौकरी प्राप्त करने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि अपने भीतर उद्यमशीलता और रोजगार सृजन की भावना भी विकसित करनी चाहिए। वर्तमान समय में स्टार्टअप, डिजिटल तकनीक, स्वरोजगार, कृषि आधारित उद्योग, सेवा क्षेत्र तथा नए व्यवसायों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। युवाओं को इन क्षेत्रों में भी आगे बढ़ने के लिए प्रयास करना चाहिए, ताकि वे स्वयं आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ दूसरे लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकें।

कार्यक्रम के दौरान करियर काउंसलिंग के माध्यम से अभ्यर्थियों को रोजगार की संभावनाओं, कौशल विकास, साक्षात्कार की तैयारी और भविष्य में करियर चयन को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। रोजगार मेले में 412 युवाओं का प्रारंभिक चयन होना कार्यक्रम की महत्वपूर्ण उपलब्धि रही। चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिलने से उनके चेहरे पर खुशी देखने को मिली। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन जिला सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर डॉ. नेहा सिंह, डॉ. दीप्शी सिंह, डॉ. श्रवण गुप्ता, विन्देश्वर सिंह सहित संबंधित विभागों के अधिकारी, महाविद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में रोजगार की तलाश कर रहे अभ्यर्थी उपस्थित रहे। आयोजकों ने कहा कि इस प्रकार के रोजगार मेलों और करियर काउंसलिंग कार्यक्रमों से युवाओं को उनकी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। साथ ही उन्हें अपने भविष्य की दिशा तय करने और आत्मनिर्भर बनने के लिए उचित मार्गदर्शन भी प्राप्त होता है।

शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने का आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। महिलाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम और वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस को सफलता मिली है। पुलिस ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म करने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान प्रद्युमन मौर्य पुत्र सुरेश मौर्य निवासी करमदेवा बुजुर्ग, थाना सिकरीगंज, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी को मंगलवार को मेंहदावल बाईपास के पास से गिरफ्तार करने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, जनपद में मिशन शक्ति अभियान 6.0 के अंतर्गत महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों की रोकथाम और आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देश पर अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के निकट पर्यवेक्षण में थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस द्वारा वांछित अभियुक्तों की तलाश की जा रही थी। इसी दौरान पुलिस टीम ने मुकदमा अपराध संख्या 993/2026, धारा 69, 351(3) एवं 352 भारतीय न्याय संहिता के मामले में वांछित प्रद्युमन मौर्य को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में थाना कोतवाली खलीलाबाद के निरीक्षक अपराध अवधेश कुमार उपाध्याय, कांस्टेबल बलराम यादव और कांस्टेबल आशीष यादव शामिल रहे। पुलिस ने बताया कि इस मामले में पीड़िता ने 2 नवंबर 2026 को थाना कोतवाली खलीलाबाद में लिखित प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया था कि अभियुक्त ने उसे शादी का झांसा देकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

रामकथा से मिलती है मयार्दा और संस्कारों की सीख: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बोले- पहले रामभक्तों पर चलती थीं गोलियां, अब अयोध्या में फूलों से होता है स्वागत

वेलकम इंडिया संवाददाता





पीलीभीत। बीसलपुर तहसील क्षेत्र के नूरानपुर स्थित गौ रक्षा पीठ शंकर जी विराजमान आश्रम में मंगलवार को आयोजित श्रीराम कथा के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शामिल हुए। यहां पहुंचने पर आयोजक महंत हनुमान दास महाराज ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन कर संतों का आशीर्वाद लिया। महंत शांतिनाथ की स्मृति में आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और संत-महात्मा मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में भगवान श्रीराम, हनुमान जी और भारत माता के जयकारों के साथ उपस्थित जनसमूह का अभिवादन किया। उन्होंने कथा व्यास संत अंजनी शरण, मिथलेश नाथ महाराज और अयोध्या के हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास सहित सभी संतों का सम्मान किया। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की असली पहचान उसकी प्राचीन संस्कृति, सनातन परंपरा और आध्यात्मिक विरासत है। रामकथा और श्रीमद्भागवत जैसे धार्मिक आयोजन केवल परंपरा का निर्वहन नहीं करते, बल्कि समाज को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का काम भी करते हैं।उन्होंने कहा कि देश के गांवों में रामलीला, अखंड रामायण और धार्मिक कथाओं के आयोजन की सदियों पुरानी परंपरा रही है। फसल कटने के बाद नवरात्र से लेकर विभिन्न अवसरों पर गांव-गांव रामलीलाओं का मंचन होता है। इनमें स्थानीय लोग कलाकार बनकर हिस्सा लेते हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने रामलीला की परंपरा को व्यापक पहचान दिलाई। इन आयोजनों के माध्यम से नई पीढ़ी को भगवान श्रीराम के आदर्शों और उनके जीवन चरित्र को जानने का अवसर मिलता है।मुख्यमंत्री ने अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन के संघर्ष का उल्लेख करते हुए कहा कि राम मंदिर के लिए रामभक्तों ने लंबे समय तक संघर्ष किया और अनेक लोगों ने अपना बलिदान दिया। उन्होंने दो नवंबर 1990 की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उस दौर में अयोध्या में रामभक्तों पर गोलियां चलाई गई थीं। जय श्रीराम का उद्घोष करने और रामभक्तों के अयोध्या पहुंचने पर भी पाबंदियां थीं। उस समय शहर में सड़क, रेल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति भी बेहतर नहीं थी। योगी ने कहा कि आज अयोध्या की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुका है। अयोध्या में आवागमन को सुगम बनाने के लिए सड़कों का विस्तार किया गया है। रेल और हवाई कनेक्टिविटी को बेहतर बनाया गया है। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम महर्षि वाल्मीकि के नाम पर रखा गया है। अब प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु रामलला के दर्शन करने पहुंच रहे हैं, जबकि विशेष पर्वों पर लाखों की संख्या में भक्त अयोध्या आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले रामभक्तों को लाठियों और गोलियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन आज उन्हीं श्रद्धालुओं का स्वागत फूल बरसाकर किया जाता है। उनकी सुरक्षा, सम्मान और सुविधाओं के लिए व्यवस्थाएं की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व केवल विकास कार्य कराना नहीं, बल्कि देश की आस्था और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करना भी है।रामकथा के महत्व पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि व्यक्ति को जीवन में मयार्दा, अनुशासन, संस्कार और सदाचार अपनाने की प्रेरणा देती है। भगवान श्रीराम का जीवन हमें कर्तव्य पालन, आदर्श आचरण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का संदेश देता है। ऐसे आयोजन मन में सकारात्मक विचार पैदा करते हैं और समाज में आध्यात्मिक चेतना को मजबूत बनाते हैं। कार्यक्रम में प्रदेश सरकार के मंत्री बलदेव सिंह औलख, संजय गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर, विधान परिषद सदस्य डॉ. सुधीर गुप्ता, भाजपा जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद, भाजपा नेता डॉ. गुरभाग सिंह, बीसलपुर विधायक विवेक वर्मा, पूरनपुर विधायक बाबूराम पासवान, मरौरी ब्लॉक प्रमुख सभ्यता देवी वर्मा, जिला उपाध्यक्ष अतिंदर पाल सिंह सहित तमाम जनप्रतिनिधि और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

आश्वासन के बाद संविदा कर्मचारियों ने समाप्त की भूख हड़ताल



कांधला (मोहसिन रहमानी)। विकासखंड क्षेत्र के गांव खंद्रावली स्थित बिजलीघर पर वेतन नहीं मिलने से नाराज विद्युत संविदा कर्मचारियों की भूख हड़ताल अधिकारियों के आश्वासन के बाद समाप्त हो गई। कर्मचारियों ने वेतन संबंधी समस्या का समाधान नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी थी। भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों का कहना था कि जब तक उनकी समस्या का निस्तारण नहीं होगा, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। मामले की सूचना मिलने पर खंड कांधला सेकंड डिवीजन के उपखंड अधिकारी राकेश कुमार आर्य बिजलीघर पहुंचे। उन्होंने भूख हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं। उपखंड अधिकारी ने कर्मचारियों को आश्वासन देते हुए मामले का समाधान कराने का भरोसा दिलाया। इसके बाद उन्होंने अपनी जिम्मेदारी पर कर्मचारियों को जूस पिलाकर भूख हड़ताल समाप्त कराई।इस दौरान संविदा कर्मचारी संघ के कार्यकर्ता रामू चौहान ने बताया कि साथी कर्मचारी अमन चौहान का वेतन नहीं मिलने के कारण सभी कर्मचारी आंदोलन करने को मजबूर हुए थे। वेतन संबंधी समस्या को लेकर अधिकारियों के समक्ष कई बार अपनी बात रखी गई, लेकिन समाधान नहीं होने पर कर्मचारियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दी थी।उन्होंने बताया कि उपखंड अधिकारी के आश्वासन के बाद फिलहाल भूख हड़ताल समाप्त कर दी गई है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि भविष्य में दोबारा वेतन को लेकर कर्मचारियों को परेशानी का सामना करना पड़ा तो संगठन फिर से आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा।

180 मी. लंबी अवैध लाइन डालकर ट्यूबवेल चालू करने का आरोप

दो खंभे और 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाकर किया गया निर्माण

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी



कांधला। क्षेत्र के द्वितीय खंड के उपखंड कांधला अंतर्गत डांगरौल बिजलीघर क्षेत्र में अवैध विद्युत लाइन डालकर ट्यूबवेल संचालित करने का मामला सामने आया है। मामले में करीब 180 मीटर लंबी 11 केवी की लाइन का निर्माण कर दो विद्युत पोल और 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाए जाने का आरोप है। इस मामले से जुड़ा एक वीडियो मंगलवार को सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद विद्युत विभाग में हलचल मच गई।अधिकारियों ने कार्रवाई की बात कही है। विकासखंड क्षेत्र के डांगरौल बिजलीघर से गांव आजादपुर-सुन्ना की ओर जाने वाले रास्ते पर कथित तौर पर अवैध विद्युत लाइन का निर्माण कराया गया। आरोप है कि लाइन डालने के साथ ही ट्रांसफार्मर स्थापित कर 16 अक्टूबर 2026 को ट्यूबवेल का संचालन भी शुरू कर दिया गया। मामले में बिजलीघर पर तैनात अवर अभियंता रमन कुमार की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। हालांकि, उनकी संलिप्तता की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

बताया गया कि इस संबंध में कई दिन पहले कांधला एसडीओ और शामली द्वितीय खंड के अधिशासी अभियंता को जानकारी दी गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने का आरोप है। मंगलवार को वायरल हुए वीडियो में मौके पर ग्रामीणों के साथ विद्युत कर्मचारी भी दिखाई दे रहे हैं।एसडीओ कांधला राकेश कुमार आर्य ने बताया कि गांव सुन्ना निवासी किसान राहुल कुमार द्वारा कथित रूप से अवैध विद्युत लाइन का निर्माण कर ट्यूबवेल चालू करने का मामला संज्ञान में आया है। इस संबंध में थाने में शिकायत दर्ज कराई गई है। विभागीय जांच जारी है। जांच पूरी होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

मकान की दीवार को लेकर विवाद, दंपती से मारपीट का आरोप

कांधला। थाना क्षेत्र के गांव नाला में मकान की दीवार को लेकर चल रहे विवाद में दंपती के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना क्षेत्र के गांव नाला निवासी युधिष्ठिर पुत्र स्वर्गीय ब्रह्म सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके मकान के बराबर में उपेंद्र अपना मकान बनवा रहे हैं। आरोप है कि निर्माण के दौरान उन्होंने उनके मकान की ऊपरी चारदीवारी तोड़ दी थी। इस पर विरोध करने के बाद पुलिस चौकी में दोनों पक्षों के बीच चार इंच की दीवार बनाकर लेंटर डालने और पुरानी दीवार को भरने की सहमति बनी थी। आरोप है कि सहमति के बावजूद दीवार का निर्माण नहीं कराया गया। पीड़ित के अनुसार, दो नवंबर को उपेंद्र और उनकी पत्नी वालेश अपने बेटे नितिन के कहने पर उनके घर में घुस आए और उनके तथा उनकी पत्नी वीरमती के साथ मारपीट करते हुए गाली-गलौज की।

रेलवे मार्ग पर ए टू जेड स्मार्ट मॉल का हुआ शुभारंभ, पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह ने किया उद्घाटन



वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के रेलवे मार्ग पर माता मंदिर के समीप नवनिर्मित ए टू जेड स्मार्ट मॉल का मंगलवार को भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर उद्घाटन किया। इस दौरान कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य लोग और स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। गांव इस्लामपुर घसौली निवासी ग्राम प्रधान उमर नवाज ने कस्बे के रेलवे मार्ग पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त ए टू जेड स्मार्ट मॉल का निर्माण कराया है। मंगलवार को आयोजित उद्घाटन समारोह में भाजपा नेता एवं पूर्व मंत्री वीरेंद्र सिंह मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उन्होंने फीता काटकर मॉल का विधिवत शुभारंभ किया और संचालक को शुभकामनाएं दीं।वीरेंद्र सिंह ने कहा कि कस्बे में इस तरह के प्रतिष्ठानों के खुलने से स्थानीय लोगों को खरीदारी की बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही क्षेत्र में व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। इस दौरान रोहित गुप्ता, जुनैद अली, पिंटू गोयल, जुनैद मुखिया, कय्यूम झारा सहित क्षेत्र के दर्जनों लोग मौजूद रहे।

किसानों की समस्याओं को लेकर मंडल स्तर पर गरजी भाकियू

धान खरीद केंद्रों की बदहाली दूर करने और गन्ना मूल्य बढ़ाने की मांग

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। जिले में किसानों की समस्याओं का स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं होने से नाराज भारतीय किसान यूनियन अराजनैतिक ने मंगलवार को बरेली मंडलायुक्त कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगें उठाईं। संगठन ने धान खरीद केंद्रों पर बरती जा रही लापरवाही, गन्ने के समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी और किसानों की लंबित समस्याओं के निस्तारण को लेकर अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया। धरने में संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने किसानों के हितों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए शीघ्र कार्रवाई की मांग की।इस दौरान जिलाध्यक्ष मंजीत सिंह ने कहा कि किसान अपनी समस्याओं को लेकर लगातार संबंधित अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन जिला स्तर पर शिकायतों का अपेक्षित समाधान नहीं हो पा रहा है। धान खरीद का सीजन चल रहा है, इसके बावजूद कई खरीद केंद्रों पर किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। खरीद प्रक्रिया में लापरवाही और अव्यवस्थाओं के चलते किसानों को अपनी उपज बेचने में दिक्कतें आ रही हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य मिलना चाहिए और सरकारी खरीद व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए, जिससे उन्हें अनावश्यक परेशानी न उठानी पड़े।उन्होंने गन्ना किसानों का मुद्दा उठाते हुए कहा कि खेती की लागत लगातार बढ़ रही है। खाद, बीज, डीजल और कृषि से जुड़ी अन्य जरूरतों पर किसानों का खर्च बढ़ा है। ऐसे में गन्ने के समर्थन मूल्य में भी उचित बढ़ोतरी की जानी जरूरी है, जिससे किसानों को आर्थिक राहत मिल सके।भाकियू अराजनैतिक ने धान खरीद केंद्रों की व्यवस्था दुरुस्त कराने, किसानों की लंबित शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण करने और गन्ने का मूल्य बढ़ाने की मांग की। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन किसानों की समस्याओं को लेकर लगातार आवाज उठा रहा है, लेकिन स्थानीय स्तर पर समाधान नहीं होने के कारण मंडलायुक्त कार्यालय पर धरना देने की नौबत आई है।

जीवित बुजुर्ग को कागजों में मार डाला, चार साल से बंद है वृद्धावस्था पेंशन



पीलीभीत (वेलकम इंडिया)। सरकारी अभिलेखों में लापरवाही का ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें एक जीवित बुजुर्ग को कागजों में मृत दर्शाकर उसकी वृद्धावस्था पेंशन बंद करा दी गई। मरौरी ब्लॉक की न्याय पंचायत सड़िया मुगलपुरा के गांव न्यूरिया कॉलोनी निवासी सुनील डे पुत्र सीता वर्ष 2021-22 से इस परेशानी का सामना कर रहे हैं। पेंशन बंद होने के बाद उन्होंने कई बार अधिकारियों के सामने पहुंचकर अपने जीवित होने की गवाही दी, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।19 सितंबर 2026 को सुनील डे ने जिलाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि न्यूरिया स्थित भारतीय स्टेट बैंक में उनका खाता संचालित है, जिसमें पहले वृद्धावस्था पेंशन आती थी। गलत रिपोर्ट के आधार पर उनकी पेंशन बंद कर दी गई। आर्थिक स्थिति खराब होने के चलते उनके सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने पेंशन दोबारा शुरू कराने की मांग की।जिलाधिकारी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए 21 सितंबर को जिला समाज कल्याण अधिकारी को जांच के निर्देश दिए। समाज कल्याण अधिकारी सुमित यादव ने भौतिक सत्यापन कराया तो पता चला कि तत्कालीन ग्राम पंचायत सचिव सचिन कुमार ने 20 मई 2022 को सुनील डे को अभिलेखों में मृत दर्शा दिया था। जबकि जांच के दौरान वह जीवित मिले।समाज कल्याण अधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी है। रिपोर्ट में सुनील डे को वर्तमान में जीवित और वृद्धावस्था पेंशन का पात्र बताया गया है। साथ ही लापरवाही बरतने के मामले में तत्कालीन सचिव सचिन कुमार के खिलाफ नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की संस्तुति की गई है। रिपोर्ट की प्रतिलिपि मुख्य विकास अधिकारी और उपनिदेशक समाज कल्याण, बरेली मंडल को भी भेजी गई है। जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद अब लापरवाह सचिव पर कार्रवाई की उम्मीद बढ़ गई है।

अमानत रजा बने सपा अल्पसंख्यक सभा के पूरनपुर विधानसभा अध्यक्ष, कार्यकर्ताओं में खुशी

वेलकम इंडिया संवाददाता



पूरनपुर/पीलीभीत। समाजवादी पार्टी ने संगठन को मजबूत बनाने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से संगठनात्मक विस्तार शुरू कर दिया है। इसी क्रम में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष रियाज खान ने पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में नई जिम्मेदारी सौंपते हुए उस्मान रजा को विधानसभा अध्यक्ष मनोनीत किया है। उनकी नियुक्ति से क्षेत्र के सपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी का माहौल है।मंगलवार को जारी मनोनयन पत्र के अनुसार समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश अध्यक्ष अली जनाब शकील अहमद नदवी की संस्तुति पर उस्मान रजा को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिला अध्यक्ष रियाज खान ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उम्मीद जताई कि वह पूरी निष्ठा, लगन और मेहनत के साथ पार्टी की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष उस्मान रजा से संगठन को मजबूत बनाने के साथ ही अल्पसंख्यक समाज के लोगों को पार्टी से जोड़ने और कार्यकताओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की अपेक्षा जताई गई है। नियुक्ति पत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की नीतियों और समाजवादी पार्टी के कार्यक्रमों को आम जनता तक पहुंचाने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। अमानत रजा की नियुक्ति की जानकारी मिलने के बाद समर्थकों और पार्टी कार्यकताओं ने उन्हें बधाई दी। कार्यकताओं ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा का संगठन और अधिक मजबूत होगा तथा पार्टी की गतिविधियों को गति मिलेगी।

सिंघाई ने लखीमपुर खीरी को 2-0 से दी करारी शिकस्त, शानदार खेल से दर्ज की जीत

मैदान पर खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम, रोमांचक मुकाबले में दर्शकों ने उठाया फुटबॉल का लुत्फ

वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती



पूरनपुर/पीलीभीत। विवेकानंद स्पोर्ट्स क्लब दर्शन के तत्वावधान में आयोजित विवेकानंद मैत्री फुटबॉल टूर्नामेंट फेस्टिवल में रोमांच और संघर्ष का सिलसिला लगातार जारी है। टूर्नामेंट के तहत मंगलवार को लखीमपुर खीरी और सिंघाई की टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। इसमें सिंघाई की टीम ने बेहतरीन खेल, मजबूत रक्षापंक्ति और शानदार तालमेल का प्रदर्शन करते हुए लखीमपुर खीरी को 2-0 से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। मैच के दौरान खिलाड़ियों के बीच गेंद पर कब्जा जमाने और गोल करने की होड़ देखने को मिली।मुकाबले की शुरूआत से ही दोनों टीमों ने आक्रामक अंदाज में खेलना शुरू किया। शुरूआती मिनटों में ही सिंघाई के खिलाड़ियों ने तेजी से मूव बनाते हुए लखीमपुर खीरी के गोलपोस्ट पर दबाव बनाना शुरू कर दिया। खिलाड़ियों के बेहतर तालमेल का नतीजा रहा कि सिंघाई ने पहला गोल दागकर 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। गोल होने के बाद लखीमपुर खीरी की टीम ने वापसी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन सिंघाई के खिलाड़ियों की मुस्तैद रक्षापंक्ति ने उनके हर प्रयास को नाकाम कर दिया।मध्यांतर तक सिंघाई की टीम अपनी बढ़त कायम रखने में सफल रही। दूसरे हाफ में लखीमपुर खीरी के खिलाड़ियों ने आक्रामक रणनीति अपनाते हुए बराबरी का गोल करने के लिए लगातार हमले किए। मैदान के दोनों छोर पर खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। इसी बीच सिंघाई के खिलाड़ियों ने एक और शानदार गोल दागकर स्कोर 2-0 कर दिया। दो गोल से पिछड़ने के बावजूद लखीमपुर खीरी के खिलाड़ियों ने हार नहीं मानी और अंतिम समय तक गोल करने के प्रयास जारी रखे, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली।निर्धारित समय समाप्त होने पर सिंघाई की टीम ने 2-0 से मुकाबला अपने नाम कर लिया। मैच देखने पहुंचे खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की। टूर्नामेंट में लगातार हो रहे रोमांचक मुकाबलों से क्षेत्र में फुटबॉल के प्रति युवाओं और खेल प्रेमियों का उत्साह बढ़ रहा है।

मां-बाप की खिदमत से मिलती है जिंदगी में बरकत: ह. हुसैन मियां

केसरपुर के कुल शरीफ में नेक रास्ते पर चलने की दी गई नसीहत



वेलकम इंडिया/मीनू बरकाती

पूरनपुर/पीलीभीत। क्षेत्र के गांव केसरपुर में हुजूर सफीक ए मिल्लत व हुजूर नासिर ए मिल्लत का कुल शरीफ बेहद अकीदत और एहतराम के साथ मनाया गया। धार्मिक आयोजन में बिलग्राम शरीफ के सज्जादानशीन हजरत हुसैन मियां की मौजूदगी ने कार्यक्रम को खास बना दिया। कुल शरीफ में आसपास के गांवों के अलावा दूरदराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंद और जायरीन पहुंचे। सभी ने शिरकत कर अपनी अकीदत का इजहार किया। पूरे आयोजन के दौरान धार्मिक माहौल बना रहा। इस मौके पर उलमाओं ने अपनी तकरीरों में लोगों को दीन और इस्लाम की शिक्षाओं पर अमल करने की नसीहत दी। हजरत हुसैन मियां ने मां-बाप की खिदमत को इंसान की अहम जिम्मेदारियों में शामिल बताते हुए कहा कि माता-पिता का सम्मान करना और उनकी जरूरतों का ख्याल रखना हर व्यक्ति का फर्ज है। उनकी दुआएं जिंदगी में कामयाबी और बरकत का जरिया बनती हैं। उलमाओं ने कहा कि बच्चों को दुनियावी शिक्षा के साथ दीनी तालीम देना भी बेहद जरूरी है, जिससे उनमें अच्छे संस्कार और नैतिक मूल्यों का विकास हो सके। मुसलमानों से पांच वक्त की नमाज की पाबंदी करने और नेक रास्ते पर चलने की अपील की गई। युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने तथा अपनी ऊर्जा शिक्षा, मेहनत और अच्छे कार्यों में लगाने की नसीहत दी गई। कार्यक्रम के अंत में हजरत हुसैन मियां ने मुल्क और कौम की तरक्की, आपसी भाईचारे, अमन-चैन और खुशहाली के लिए सामूहिक दुआ कराई। दुआ में बड़ी संख्या में अकीदतमंद शामिल हुए।

33 केवी लाइन से निकली चिंगारी से आठ एकड़ गन्ने की फसल राख

बरखेड़ा। क्षेत्र के गांव ज्योरहा कल्यानपुर में मंगलवार शाम करीब चार बजे 33 केवी की हाईटेंशन लाइन से निकली चिंगारी ने किसानों की सालभर की मेहनत पर पानी फेर दिया। चिंगारी से गन्ने के खेत में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसकी चपेट में आकर आधा दर्जन किसानों की करीब आठ एकड़ (50 बीघा) गन्ने की फसल जलकर राख हो गई। गांव निवासी बुद्धसेन बताया कि मंगलवार शाम अचानक गन्ने के खेतों से आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। आसपास खेतों में काम कर रहे किसानों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तेज हवा और सूखे पत्तों के कारण आग तेजी से फैलती चली गई। सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने पास के तालाब से पानी लाकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। कुछ किसानों ने आग को आगे बढ़ने से रोकने के लिए बीच खेत में गन्ना काटकर अलग करने का भी प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था।

त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण ने खुर्जा नगर क्षमें किया पैदल गश्त

बाजारों और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील

वेलकम इंडिया संवाददाता





बुलंदशहर। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन अलर्ट हो गया है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अंतरिक्ष जैन ने पुलिस बल के साथ थाना खुर्जा नगर क्षेत्र के प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों, चौराहों और संवेदनशील इलाकों में पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान एसपी ग्रामीण ने स्थानीय व्यापारियों, दुकानदारों, गणमान्य व्यक्तियों और आमजन से संवाद कर उनकी समस्याएं एवं सुझाव जाने। उन्होंने सभी से आगामी त्योहारों को आपसी भाईचारे और प्रेम के साथ मनाने तथा शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने संबंधित पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने, सतर्कता बरतने और नियमित गश्त करने के निर्देश दिए। साथ ही आमजन से अफवाहों पर ध्यान न देने और सोशल मीडिया पर बिना सत्यापन के भ्रामक या आपत्तिजनक सूचनाएं साझा नहीं करने की अपील की। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस अथवा डायल-112 पर देने को कहा।

खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 800 लीटर सरसों का तेल किया सीज

1300 लीटर एक्सपायर तेल बरामद, राजा स्वीट्स से मिठाई के नमूने लिए

वेलकम इंडिया संवाददाता



बुलंदशहर। खाद्य पदार्थों में मिलावट और असुरक्षित खाद्य सामग्री के भंडारण के खिलाफ खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। विभागीय टीम ने फार्म श्री गोपाल जी ट्रेडर्स (सत्तू तेल वाले) पर छापेमारी कर 800 लीटर सरसों का तेल सीज कर दिया।

वहीं, मौके से करीब 1300 लीटर एक्सपायर तेल भी बरामद हुआ। टीम ने जांच के लिए सरसों के तेल के तीन और सोया तेल का एक नमूना संकलित किया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने स्याना के बुगरासी रोड स्थित राजा स्वीट्स की मिठाई की दुकान पर भी छापेमारी की। जांच के दौरान दुकान से छेना मिठाई के दो और गुलाब जामुन का एक नमूना लिया गया। वहीं, अस्वच्छ परिस्थितियों में भंडारित करीब दो कुंतल छेना मिठाई को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग की लगातार कार्रवाई से खाद्य पदार्थों का कारोबार करने वाले दुकानदारों में हड़कंप मचा रहा। विभागीय टीम ने संकलित सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजने की तैयारी की है। जांच रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

रोजगार मेले मे चयनित युवाओ को मुख्य अतिथि नि० विधायक धीरज ओझा ने दिए नियुक्ति पत्र

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया



प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन कार्यालय, प्रतापगढ़ के तत्वावधान में मंगलवार, 03 नवंबर 2026 को स्वामी करपात्री इंटर कॉलेज, रानीगंज में रोजगार मेले (कैंपस प्लेसमेंट) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में रानीगंज के निवर्तमान विधायक श्री अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख शिवगढ़ श्री सत्यम ओझा जी उपस्थित रहे। रोजगार मेले में कुल 11 प्रतिष्ठित कंपनियों ने प्रतिभाग किया, जिनके माध्यम से 447 अभ्यर्थियों का विभिन्न पदों पर चयन किया गया। यह आयोजन क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। मुख्य अतिथि अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा ने कहा कि युवाओं को रोजगार से जोड़ना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल विकास, रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार युवाओं के सशक्तीकरण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस प्रकार के रोजगार मेले युवाओं को उनकी योग्यता एवं प्रतिभा के अनुरूप अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। विशिष्ट अतिथि ब्लॉक प्रमुख शिवगढ़ सत्यम ओझा ने भी रोजगार मेले के सफल आयोजन की सराहना करते हुए चयनित अभ्यर्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में जिला सेवायोजन कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी, संबंधित संस्थान के प्रतिनिधि, विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में युवा अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

त्योहारों को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए किठौर थाने में ग्राम चौकीदारों की गोष्ठी आयोजित

प्रभारी निरीक्षक ने दिए सतर्कता बरतने के निर्देश, संदिग्ध गतिविधियों और गांवों में विवाद की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील

वेलकम इंडिया/जाकिर तुर्क



किठौर। आगामी धनतेरस, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज एवं गंगा स्नान पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से सोमवार को थाना किठौर परिसर में ग्राम प्रहरी एवं चौकीदारों की एक महत्वपूर्ण गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में थाना क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंचे चौकीदारों को त्योहारों के दौरान विशेष सतर्कता बरतने और गांवों में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन का सहयोग करने के निर्देश दिए गए।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए प्रभारी निरीक्षक ने कहा कि त्योहारों के दौरान गांवों में आपसी मेलजोल और भाईचारे का वातावरण बनाए रखना बेहद जरूरी है। ग्राम चौकीदार पुलिस और ग्रामीणों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। ऐसे में उनकी जिम्मेदारी है कि वे अपने-अपने गांवों में होने वाली गतिविधियों पर नजर रखें और किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि, आपसी विवाद, झगड़े अथवा अशांति की आशंका की जानकारी तत्काल थाना पुलिस को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने चौकीदारों को निर्देशित किया कि गांवों में किसी भी प्रकार की अफवाह फैलने, दो पक्षों के बीच तनाव उत्पन्न होने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित होने की स्थिति में बिना देरी किए पुलिस को सूचित करें। त्योहारों के दौरान विशेष रूप से संवेदनशील स्थानों और आपसी विवाद वाले मामलों पर नजर रखने की भी हिदायत दी गई। इस दौरान ग्राम प्रहरी एवं चौकीदारों की समस्याओं को भी गंभीरता से सुना गया तथा उनके निस्तारण के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। साथ ही उच्चाधिकारियों की ओर से जारी दिशा-निर्देशों से सभी को अवगत कराया गया। गोष्ठी में चौकीदारों को उनके कर्तव्यों के निर्वहन के लिए धोती भी वितरित की गई। अंत में पुलिस अधिकारियों ने सभी ग्राम चौकीदारों से त्योहारों के दौरान पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और सतर्कता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि पुलिस और ग्राम प्रहरियों के आपसी समन्वय से ही क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और सौहार्द का वातावरण कायम रखा जा सकता है।

नृत्य और संगीत की प्रस्तुतियों से सजा मंच, नन्हे कलाकारों ने बिखेरे प्रतिभा के रंग

जन कल्याण विकास सेवा संस्थान की बाल नृत्य प्रतिभा प्रतियोगिता में छात्र-छात्राओं ने दी रंगारंग प्रस्तुतियां, शालिनी भारद्वाज सम्मानित





वेलकम इंडिया संवाददाता

प्रयागराज। बच्चों और युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करने तथा कला एवं संस्कृति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से रविवार को जन कल्याण विकास सेवा संस्थान की ओर से बाल नृत्य प्रतिभा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने नृत्य और संगीत की आकर्षक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के रूप में कौशलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने संगीत की मधुर धुनों पर शानदार नृत्य प्रस्तुत कर अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगारंग प्रस्तुतियों पर दर्शकों ने तालियों के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान मनौरी की शालिनी भारद्वाज ने अपनी शानदार प्रस्तुति से सभी का ध्यान आकर्षित किया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें सम्मानित भी किया गया।

संस्थान के अध्यक्ष सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने कहा कि आयोजन का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच प्रदान करना तथा कला एवं संस्कृति को बढ़ावा देना है। ऐसे कार्यक्रम प्रतिभाओं को निखारने और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम का संचालन करने वाली निहारिका पटेल 'पंछी' ने कहा कि बच्चों और युवाओं की शानदार प्रस्तुतियां देखकर खुशी हुई। ऐसे मंच उभरती प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और अपनी कला से पहचान बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में संस्थान के महामंत्री राजेश कुमार श्रीवास्तव की भी प्रमुख भूमिका रही। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के उत्साह और शानदार प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। संस्थान की इस पहल को नई पीढ़ी को कला, संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ने की दिशा में सराहनीय कदम माना गया।

साइबर अपराध और ऑनलाइन सट्टेबाजी गिरोह का भंडाफोड़, चार गिरफ्तार



विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। थाना जेठवारा पुलिस ने साइबर अपराध और अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी में इस्तेमाल होने वाले बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में बैंकिंग दस्तावेज, क्यूआर कोड, एटीएम कार्ड, मोबाइल फोन और अन्य सामग्री बरामद हुई है। पुलिस ने ग्राम मनीराम का पुरवा, खटवारा में दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। जिनसे पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अलग-अलग व्यक्तियों के नाम पर बैंक खाते और सिम कार्ड खुलवाकर उनकी पासबुक, चेकबुक एवं बैंकिंग विवरण साइबर अपराधियों और ऑनलाइन सट्टेबाजी पैनल संचालकों को उपलब्ध कराते थे। गिरफ्तार अभियुक्तो से बरामद रजिस्टर में 63 बैंक खातों का विवरण दर्ज मिला। इन आरोपियो के बारे मे समन्वय पोर्टल पर जांच के दौरान कुछ बैंक खातों के विरुद्ध अन्य राज्यों में ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायतें मिलीं। गिरफ्तार अभियुक्तो से 24 क्यूआर कोड स्कैन पैड। 8 बैंक पासबुक और 3 चेकबुक। 8 आधार कार्ड एवं छायाप्रति तथा 1 आधार अपडेट फॉर्म 3 पैन कार्ड 7 खाली सिम लिफाफे और 2 सिम सहित लिफाफे 3 एटीएम कार्ड उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का 1 एटीएम संबंधी पत्र 1 रजिस्टर और 5 एंड्रॉयड मोबाइल फोन। गिरफ्तार अभियुक्त के नाम अंकित पटेल निवासी संग्रामगढ़, प्रतापगढ़, रिशांक शेखर सिंह निवासी बलिया,के. सागर निवासी दुर्ग, छत्तीसगढ़ अंकुश वर्मा निवासी मनीराम का पुरवा, खटवारा, जेठवारा, प्रतापगढ़। जिनपर थाना जेठवारा में मु0अ0सं0 327/2026 धारा 319(2), 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 3(5) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत हुआ है।

पुलिस वेलफेयर के क्रम में आधुनिक एवं सुविधाजनक कैफे 'दीपम' का उद्घाटन

वेलकम इंडिया/मयूर खान

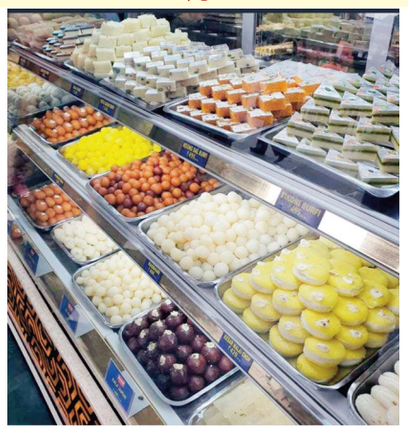


आगरा। दीपक कुमार, पुलिस आयुक्त, आगरा द्वारा सचिन्द्र पटेल, अपर पुलिस आयुक्त, आगरा एवं अन्य पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में पुलिस क्लब स्थित पुलिस ऑफिसर्स आवास परिसर में नवनिर्मित पुलिस ऑफिसर्स कैफे 'दीपम- द रूफटॉप रिट्रीट' का फीता काटकर उद्घाटन किया गया। पुलिस कल्याण के क्रम में स्थापित इस कैफे का उद्देश्य पुलिस अधिकारियों हेतु ऐसे स्थल का निर्माण करना है जहां कार्य की व्यस्तता के दौरान शूक्ष्म समय में नागरिकों की सुरक्षा एवं कार्यकुशलता के बारे में अधिकारी आपसी समन्वय एवं संवाद कर सकें। कैफे का रूफटॉप स्वरूप एवं आकर्षक साज-सज्जा इसे एक विशेष पहचान प्रदान करते हैं। यह पहल पुलिस परिवार के सदस्यों के लिए एक बेहतर सामाजिक स्थान उपलब्ध कराने के साथ-साथ आपसी समन्वय एवं सकारात्मक वातावरण को भी प्रोत्साहित करेगी। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त नगर, अपर पुलिस उपायुक्त यातायात, सहायक पुलिस आयुक्त हरिपर्वत/लाइन्स, सदर बाजार, ताजगंज, शमशाबाद, फतेहाबाद एवं लोहामंडी सहित अन्य पुलिस अधिकारीगण उपस्थित रहे। आगरा पुलिस द्वारा पुलिस अधिकारियों एव कर्मचारियों के वेलफेयर, सुविधा एवं बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

मिठाई की दुकानों से गायब 'यूज बाई डेट', डिबाई में खाद्य सुरक्षा नियमों की अनदेखी!

15 अक्टूबर से प्रदेशभर में लागू हुआ था आदेश, फिर भी दुकानों पर नहीं लिखी जा रही इस्तेमाल की अंतिम तिथि

वेलकम इंडिया संवाददाता





डिबाई (बुलंदशहर)। दीपावली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में मिठाइयों की दुकानें सज गई हैं। काजू कतली, मिल्क केक, बर्फी, रसगुल्ले और लड्डुओं की मांग बढ़ने लगी है। इसके बावजूद मिठाइयों की ताजगी और इस्तेमाल की अंतिम तिथि को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। डिबाई नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों की कई मिठाई की दुकानों पर शासन के निदेर्शों के बावजूद ह्यूज बाई डेटह्ल प्रदर्शित नहीं की जा रही है। कार्यालय आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश की ओर से पत्र संख्या एफएसडीए/खाद्य/2026-27/4673, दिनांक 24 सितंबर 2026 को जारी निदेर्शों के तहत 15 अक्टूबर से बिक्री के लिए प्रदर्शित और भंडारित मिठाइयों पर ह्यूज बाई डेटह्ल लिखना अनिवार्य किया गया था। इसका उद्देश्य ग्राहकों को मिठाइयों की ताजगी और सुरक्षित सेवन की अंतिम तिथि की जानकारी देना है। इसके बावजूद डिबाई में कई दुकानों पर आदेश का पालन होता नजर नहीं आ रहा है।

त्योहारी सीजन में लोग हजारों रुपये खर्च कर मिठाइयां खरीदते हैं। इन्हें परिवार के सदस्यों, बच्चों और बुजुर्गों के साथ रिश्तेदारों व मेहमानों को भी परोसा जाता है। ऐसे में मिठाई के इस्तेमाल की अंतिम तिथि की जानकारी नहीं मिलने से ग्राहक उसकी ताजगी और सुरक्षित सेवन की अवधि को लेकर असमंजस में हैं। अलग-अलग मिठाइयों की सुरक्षित इस्तेमाल अवधि भी अलग होती है, इसलिए तारीख प्रदर्शित करना जरूरी है।

दीपावली पर अधिक बिक्री की उम्मीद में दुकानदार बड़ी मात्रा में मिठाइयां तैयार कर स्टॉक रखते हैं। ऐसे में पुराने स्टॉक की बिक्री की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। हालांकि किसी दुकानदार द्वारा पुरानी मिठाई बेचे जाने का प्रमाण सामने नहीं आया है। वास्तविक स्थिति विभागीय जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। खाद्य सुरक्षा विभाग को डिबाई नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी छोटे-बड़े मिष्ठान प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण करना चाहिए। इस दौरान मिठाइयों की गुणवत्ता, भंडारण, साफ-सफाई और ह्यूज बाई डेटह्ल की व्यवस्था की जांच होनी चाहिए। केवल नमूने भरने तक कार्रवाई सीमित न रहे, बल्कि शासन के निदेर्शों का पालन भी सुनिश्चित कराया जाए।

एक ओर शासन मिलावटखोरी रोकने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दे रहा है, वहीं डिबाई के बाजारों में नियमों के अनुपालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों और जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन तथा खाद्य सुरक्षा विभाग से दीपावली से पहले सभी मिठाई की दुकानों पर औचक निरीक्षण कराने की मांग की है। अब देखना होगा कि खाद्य सुरक्षा विभाग इस मामले में कितनी गंभीरता दिखाता है और नियमों की अनदेखी करने वाले प्रतिष्ठानों पर क्या कार्रवाई करता है। दीपावली खुशियों और मिठास का त्योहार है, बीमारी और परेशानी का नहीं। शासन के आदेश केवल कागजों तक सीमित न रहकर बाजारों में भी प्रभावी रूप से लागू होने चाहिए।

दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

अनिल वशिष्ठ





मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दीपावली के पावन पर्व के उपलक्ष्य में भाजपा विधायक डॉ मंजू शिवाच की ओर से कादराबाद स्थित एक फार्म हाउस में दीपावली पर्व के उपलक्ष में विधानसभा क्षेत्र का एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें गठबंधन के बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक डॉ. मंजू शिवाच, वरिष्ठ नेता डॉ देवेंद्र शिवाच ने उपस्थित सभी कार्यकताओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उपहार भेंट किए तथा शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर आए मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों ने एनडीए की सरकार द्वारा जनकल्याण के किए गए कार्य को विस्तार से लोगों को बताया और कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में कार्यकर्ता जुट जाए और प्रदेश में भारी मतों से एनडीए की सरकार बनाएं।

उन्होंने कार्यकताओं के समर्पण, परिश्रम एवं संगठन के प्रति उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि कार्यकर्ता किसी भी संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। उनके अथक प्रयासों एवं सहयोग से संगठन निरंतर मजबूत होता है। कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान, क्षेत्रीय महामंत्री संजीव गोयल सिक्का, जिलाध्यक्ष चौ. चैनपाल सहित एनडीए गठबंधन के वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली,निवाड़ी अध्यक्ष अनिल त्यागी, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती सुचेता सिंह,भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यवीर राघव, दिनेश सिंघल, सत्येंद्र त्यागी, वरिष्ठ नेता डॉ देवेंद्र शिवाच, देवेंद्र चौधरी, किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष देवेंद्र चौधरी डायमंड,गन्ना समिति के अध्यक्ष राजन चौधरी,आशीष चौधरी,रालोद महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष श्रीमती सुमन चौधरी, राष्ट्रीय लोकदल नेता सत्येंद्र तोमर, योगेंद्र पतला, तेजवीर डबाना,दिनेश चौधरी,भाजपा नेता अमित चौधरी, नवीन जायसवाल, जयप्रकाश शर्मा,मयंक शर्मा, संजय शर्मा, पप्पन शर्मा, अशोक मुखिया, मनीष अग्रवाल, विजय वाल्मीकि, पिंकी चौधरी, नीरज तेवतिया, मीनाक्षी भूटानी, सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

दिवाली की मिठास में घुला गंदगी और कीड़ों का जहर

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। दिवाली नजदीक आते ही बाजारों में मिठाइयों की मांग बढ़ने लगी है, लेकिन त्योहार की मिठास के बीच लोगों की सेहत से खिलवाड़ का मामला सामने आया है। खाद्य सुरक्षा विभाग की जांच में शहर के दो नामी मिठाई विक्रेताओं बीकाराम चांदमल और शुभमन स्वीट्स के कारखानों में गंभीर अनियमितताएं मिली हैं। कहीं रसगुल्लों में कीड़े मिले तो कहीं तैयार मिठाइयां गंदगी के पास रखी मिलीं। दोनों कारखानों से खाद्य पदार्थों के कुल 10 नमूने लेकर जांच के लिए भेजे गए हैं। साथ ही लाइसेंस निलंबित करने की संस्तुति की गई है। एडीएम सिटी विकास कश्यप ने बताया कि दोनों कारखानों में मिठाई तैयार करने और उन्हें सुरक्षित रखने की स्थिति बेहद खराब मिली। सहायक आयुक्त खाद्य सुरेंद्र मिश्र के मुताबिक, आरडीसी में बीकाराम चांदमल नाम से मिठाई की दुकान है, जबकि रईसपुर में बीसी फूड के नाम से इसका कारखाना संचालित है। सोमवार को सूचना के आधार पर यहां छापा मारा गया। जांच के दौरान दिवाली पर बिक्री के लिए तैयार किए जा रहे रसगुल्लों में भारी मात्रा में कीड़े मिले। इसके बाद करीब 400 किलो रसगुल्ले नष्ट करा दिए गए। कारखाने में मिठाई तैयार करने वाले स्थान पर कॉकरोच घूमते मिले। खाद्य पदार्थ रखने के लिए इस्तेमाल किए जा रहे डीप फ्रीजर में भी कॉकरोच और अन्य कीड़े पाए गए। जांच में मिठाई बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा सोडियम बाईकाबोर्नेट भी खाद्य श्रेणी का नहीं मिला। मावे में मिलावट की आशंका के चलते छेना मिठाई, बूंदी के लड्डू, रंगीन मावा, समोसा मसाला, लाल मिर्च पाउडर और सोडियम बाईकाबोर्नेट के छह नमूने लिए गए हैं। वहीं, साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र के झंडापुर स्थित शुभमन स्वीट्स के कारखाने में भी खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को गंदगी और लापरवाही मिली। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष राय ने बताया कि कारखाने में तैयार मिठाइयां गंदगी के पास रखी हुई थीं।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर रोगी कल्याण समिति की बैठक का आयोजन



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर उपजिलाधिकारी श्रीमती कोमल पवार की अध्यक्षता में रोगी कल्याण समिति की मीटिंग का आयोजन चिकित्सा अधीक्षक मोदीनगर डॉ दिनेश कुमार द्वारा किया गया। जिसमें क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद मोदीनगर अध्यक्ष विनोद वैशाली जाटव, सीडीपीओ भोजपुर, तथा समिति के अन्य पदाधिकारी तथा सदस्य उपस्थित रहे। चिकित्सा अधीक्षक मोदीनगर एवं प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद,उपाध्यक्ष ,डॉ दिनेश कुमार द्वारा बताया गया कि इस मीटिंग का उद्देश्य रोगियों के कल्याण से संबंधित कार्य योजना बनाना तथा उनके कल्याण हेतु सुविधा बढ़ाना और मरीजों को गुणवत्ता पूर्वक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना होता है। इस मीटिंग में विधायक डॉ मंजू शिवाच ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर डॉ ज्योति, डॉ भावना, डॉ नवीन व अन्य चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे।

स्काउटिंग से विद्यार्थियों में विकसित होता है अनुशासन, नेतृत्व और राष्ट्र सेवा का भाव

अनिल वशिष्ठ



मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। तुलसी राम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल, मोदीनगर में हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स, उत्तर प्रदेश के राज्य मुख्यालय के निदेर्शानुसार विद्यार्थियों के लिए 'स्काउटिंग को जानो' जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को स्काउटिंग की गतिविधियों, प्रशिक्षण, उपलब्धियों एवं भविष्य में मिलने वाले अवसरों से परिचित कराना था। कार्यक्रम में मंडल प्रभारी अंकित चौधरी एवं प्रशिक्षक अभिषेक माथुर ने छात्र-छात्राओं को स्काउट्स एवं गाइड्स की कार्यप्रणाली, इसके विभिन्न प्रशिक्षण स्तरों तथा प्रवेशिका से लेकर राष्ट्रपति पुरस्कार तक की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षकों ने विद्यार्थियों को बताया कि स्काउटिंग केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मनिर्भरता, नेतृत्व क्षमता, सहयोग और समाजसेवा की भावना विकसित करने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने आपदा के समय प्राथमिक चिकित्सा, स्काउटिंग के माध्यम से समाजसेवा, विभिन्न प्रकार की गांठें एवं ताल, सिंहनाद तथा अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में भी जानकारी दी। इसके साथ ही विद्यार्थियों को स्काउट्स एवं गाइड्स के विभिन्न प्रमाणपत्रों, उच्च शिक्षा एवं विश्वविद्यालयों में मिलने वाले अधिभार अंकों तथा विभिन्न सरकारी एवं अन्य नौकरियों में उपलब्ध अवसरों के बारे में भी अवगत कराया गया। वहीं, विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने भी विद्यार्थियों को स्काउटिंग के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से जुड़ने वाले विद्यार्थी अनुशासन, जिम्मेदारी, आत्मनिर्भरता और सेवाभाव जैसे गुणों को अपने जीवन में अपनाते हैं तथा समाज और राष्ट्र के लिए प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को स्काउटिंग गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया और बताया कि स्काउटिंग एक जिम्मेदार एवं आदर्श नागरिक बनने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रकार, दो दिवसीय जागरूकता गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को स्काउटिंग से जुड़ने तथा अनुशासित, आत्मनिर्भर एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम सलाहपुर में राष्ट्रीय लोकदल की बैठक आयोजित, संगठन की मजबूती पर हुई चर्चा



वेलकम इंडिया संवाददाता

मेरठ। ग्राम सलाहपुर में राष्ट्रीय लोकदल की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जाकिर हसन ने की तथा संचालन रवि भरता चिकारा ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में रणवीर दहिया उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि रणवीर दहिया ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय लोकदल की विचारधारा, नीतियों एवं संगठन की मजबूती पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल हमेशा किसानों, मजदूरों, युवाओं एवं समाज के सभी वर्गों के हितों की आवाज उठाने का कार्य करता रहा है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाएं तथा संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए एकजुट होकर कार्य करें। बैठक में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने राष्ट्रीय लोकदल को मजबूत बनाने और पार्टी की नीतियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर इमरान अली, नूर हसन, जुबैर अली, आकिब चौहान, औरंगजेब चौहान, हम्माद चौहान, विपिन कं०, रणपाल सिंह एवं तनवीर सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गोबर बनेगा कमाई का जरिया, गाजियाबाद को गंदगी से मिलेगी मुक्ति; बायोफ्यूल और खाद का होगा उत्पादन





वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। शहर की बड़ी समस्याओं में शामिल गोबर के निस्तारण को लेकर गाजियाबाद नगर निगम ने नई पहल शुरू की है। अब शहर में इधर-उधर फेंका जाने वाला और नालियों में बहने वाला गोबर गंदगी फैलाने के बजाय कमाई का जरिया बनेगा। गोबर से बायोफ्यूल और जैविक खाद तैयार की जाएगी। इससे एक ओर शहर को गंदगी और जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी, वहीं दूसरी ओर गोबर का उपयोग औद्योगिक इकाइयों और पौधों के लिए किया जा सकेगा। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मंगलवार को कविनगर जोन में स्थापित पहले गोबर प्रोसेसिंग प्लांट का शुभारंभ किया। शहर में लंबे समय से पशुपालकों और डेयरियों से निकलने वाले गोबर के निस्तारण की समस्या बनी हुई थी। कई स्थानों पर गोबर नालियों में बहा दिया जाता था, जिससे गंदगी और जलभराव की स्थिति पैदा होती थी। स्थानीय लोगों की शिकायतों को देखते हुए नगर निगम ने इसके स्थायी समाधान की योजना तैयार की। अब इसी योजना के तहत गोबर को उपयोगी उत्पादों में बदलने की व्यवस्था शुरू की गई है। महापौर सुनीता दयाल ने कहा कि नगर निगम को गोबर के कारण शहर के विभिन्न क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इस समस्या का स्थायी समाधान निकालने के लिए गोबर प्रोसेसिंग प्लांट लगाने की योजना बनाई गई। कविनगर में इसकी शुरूआत कर दी गई है। प्लांट में गोबर से बायोफ्यूल तैयार किया जाएगा, जिसे औद्योगिक इकाइयों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा प्रसंस्करण के बाद बचने वाले अवशेष से खाद बनाई जाएगी, जिसका इस्तेमाल नर्सरी और पौधों में किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि इस योजना की सबसे खास बात यह है कि नगर निगम को प्लांट स्थापित करने और संचालित करने के लिए कोई खर्च नहीं करना पड़ा है। इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल पर संचालित किया जाएगा। इससे शहर को गोबर की समस्या से राहत मिलने के साथ निगम के राजस्व में भी वृद्धि होगी। महापौर ने इसे शहरवासियों के लिए उपयोगी पहल बताते हुए पशुपालकों से भी गोबर को निर्धारित प्लांट तक पहुंचाने की अपील की। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि कविनगर में लगाए गए पहले प्लांट में तीन मशीनें स्थापित की गई हैं। इनकी मदद से प्रतिदिन डेढ़ सौ टन से अधिक गोबर के निस्तारण की क्षमता विकसित की जाएगी।

गिन्नी देवी कॉलेज की सोनू शर्मा ने वेटलिफ्टिंग में हासिल किया तृतीय स्थान

वेलकम इंडिया संवाददाता



मोदीनगर। इंटर कॉलेज टूर्नामेंट की वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में गिन्नी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज की छात्रा सोनू शर्मा ने 61 किलोग्राम भार वर्ग में तृतीय स्थान प्राप्त कर कॉलेज का नाम रोशन किया। इस उपलब्धि पर कॉलेज की प्राचार्या प्रोफेसर पूनम शर्मा ने सोनू शर्मा को मेडल पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

समाजसेवी पूर्व सभासद दीपक वत्स ने यूसीजी विषय रक्षामंत्री के समक्ष रखें



वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। परशुराम परिषद के प्रदेश महासचिव एवं पूर्व सभासद दीपक वत्स ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से दिल्ली आवास पर भेंट कि एवं विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक, विधानसभा चुनाव एवं मुख्य रूप से यूसीजी के विषय रक्षामंत्री के समक्ष रखें। रक्षामंत्री ने दीपक वत्स के बाते गंभीरता से सुनी और आश्वासन दिया कि उनकी बातों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा।

दवा कारोबार पर नए नियमों का बोझ नहीं सहेगा व्यापार, विरोध में ज्ञापन देगा संगठन

वेलकम इंडिया संवाददाता



गाजियाबाद। दवा कारोबारियों पर लगातार नए नियम लागू किए जाने को लेकर दवा व्यापारियों में नाराजगी बढ़ने लगी है। केंद्र और प्रदेश सरकार के स्तर से जारी किए जा रहे नए सर्कुलर को लेकर दवा विक्रेता संगठन ने विरोध जताया है। संगठन का कहना है कि फुटकर दवा व्यापारियों के लिए सीसीटीवी कैमरे लगाने की सिफारिश और सभी दवा कारोबारियों के लिए वेबसाइट बनाने जैसे नियम व्यावहारिक नहीं हैं। इनसे छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक और प्रशासनिक बोझ पड़ेगा। इस संबंध में एआईओसीडी और ओसीडी यूपी पहले ही अपना विरोध दर्ज करा चुके हैं। अब स्थानीय संगठन भी विरोध स्वरूप ज्ञापन भेजेगा। मंगलवार को नई बस्ती स्थित संस्था कार्यालय पर आयोजित कार्यकारिणी सदस्यों की बैठक में दवा व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में राजदेव त्यागी ने कहा कि सरकार की ओर से लगातार नए सर्कुलर जारी होने से दवा कारोबारियों के सामने अनावश्यक परेशानियां खड़ी हो रही हैं। नियम बनाते समय छोटे और फुटकर दवा व्यापारियों की व्यावहारिक परिस्थितियों को भी ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों की अनदेखी नहीं होने देगा और जरूरत पड़ने पर विरोध को आगे बढ़ाया जाएगा। बैठक में कुछ दवा कंपनियों की ओर से एक्सपायरी दवाओं को वापस नहीं लेने और विभाग में लाइसेंस नवीनीकरण (रिटेंशन) से जुड़ी समस्याओं की शिकायतें भी सामने आईं। इस पर व्यापारियों ने नाराजगी जताई। राजदेव त्यागी ने कहा कि संबंधित कंपनियों को अपनी व्यवस्था सुधारने के लिए कहा गया है। वहीं, विभागीय अधिकारियों से शीघ्र मुलाकात कर लाइसेंस नवीनीकरण की समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा। यदि इसके बाद भी व्यापारियों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संगठन विरोध का रास्ता अपनाने से पीछे नहीं हटेगा। बैठक में महामंत्री जयदीप गुप्ता, कोषाध्यक्ष राकेश पचौरी, संगठन मंत्री अमित बंसल, अनिल गुप्ता, अश्विनी कुमार गोयल, संजीव देव, कमल, राहुल शर्मा, संदीप गोयल और अनुज गर्ग सहित कार्यकारिणी के अन्य सदस्य मौजूद रहे। राजदेव त्यागी ने कहा कि सीसीटीवी लगाने की सिफारिश और प्रत्येक दवा व्यापारी के लिए वेबसाइट बनाने जैसी व्यवस्थाएं छोटे कारोबारियों के लिए व्यवहारिक नहीं हैं। सरकार को ऐसे नियम लागू करने से पहले व्यापारियों की समस्याओं और आर्थिक स्थिति पर विचार करना चाहिए। उन्होंने बताया कि एआईओसीडी और ओसीडी यूपी के महासचिव राजीव सिंघल और सुधीर अग्रवाल के प्रयासों से एबट कंपनी से एक्सपायरी दवाओं से जुड़ी समस्या का समाधान हुआ है।

उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस रिफिल सब्सिडी के चेक वितरित







कपिल चौहान

गौतमबुद्धनगर(वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट में मंगलवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में जिलाधिकारी मेधा रूपम (आईएएस) भी उपस्थित रहीं।

इस दौरान लाभार्थियों को योजना के तहत मिलने वाली सब्सिडी की जानकारी दी गई। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार गरीब परिवारों तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के साथ उनके जीवन को सुरक्षित, सरल और सम्मानजनक बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

गाजियाबाद में पटाखों की बिक्री के लिए 11 स्थान निर्धारित, 5 से 7 नवंबर तक लगेंगी दुकानें

कपिल चौहान





गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दीपावली के त्योहार को देखते हुए गाजियाबाद जिला प्रशासन ने पटाखों की बिक्री को लेकर तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस बार जिले में पटाखों की बिक्री के लिए केवल 11 स्थान निर्धारित किए गए हैं। इन स्थानों पर 5 से 7 नवंबर तक अस्थायी दुकानें लगाई जाएंगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित स्थलों पर लगने वाली दुकानों पर केवल ग्रीन पटाखों की ही बिक्री की अनुमति होगी। इसके अलावा अन्य प्रकार के पटाखों की बिक्री प्रतिबंधित रहेगी। बिना अनुमति या निर्धारित स्थानों के अलावा पटाखों की दुकान लगाने वालों के खिलाफ प्रशासन की ओर से सख्त कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने दुकानदारों को नियमों का पालन करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही आम लोगों से भी पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित दीपावली मनाने के लिए ग्रीन पटाखों का ही इस्तेमाल करने की अपील की है।

गाजियाबाद नगर निगम के नए मुख्यालय का भूमि पूजन, आधुनिक सुविधाओं से होगा लैस

विकसित गाजियाबाद की दिशा में मजबूत कदम, कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, महापौर सुनीता दयाल समेत जनप्रतिनिधि रहे मौजूद











कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद नगर निगम के नवीन मुख्यालय भवन के निर्माण की दिशा में विधिवत भूमि पूजन एवं शुभारंभ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा, सांसद, विधायकगण, महापौर सुनीता दयाल, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक और समस्त पार्षदगण मौजूद रहे।

इस अवसर पर नए मुख्यालय भवन को आधुनिक सुविधाओं से युक्त बनाने और नगर निगम की प्रशासनिक व्यवस्था को और अधिक बेहतर एवं प्रभावी बनाने की पहल को महत्वपूर्ण बताया गया। नए भवन के निर्माण से निगम के कार्यों को व्यवस्थित करने के साथ ही अधिकारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

यह परियोजना गाजियाबाद के विकास को नई दिशा देने और शहर की प्रशासनिक व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। नए मुख्यालय के साथ नगर निगम एक नई पहचान स्थापित करने की ओर अग्रसर है।

मुख्यमंत्री की पदयात्रा को भव्य बनाने की तैयारी, विधायक संजीव शर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ बनाई रणनीति





कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 5 नवंबर को राजनगर एक्सटेंशन में प्रस्तावित विशाल पदयात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाने के लिए शहर विधायक संजीव शर्मा ने मंगलवार को लीलावती पब्लिक स्कूल में पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में शहर विधानसभा के पांचों मंडल अध्यक्षों, पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विधायक संजीव शर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय और संगठनात्मक एकजुटता के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करते हुए समय से तैयारियां पूरी करें। भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की ताकत है। सभी के सामूहिक प्रयास और समर्पण से मुख्यमंत्री की पदयात्रा को भव्य एवं ऐतिहासिक बनाया जाएगा। बैठक में क्रॉसिंग मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र जाटव, प्रताप विहार मंडल अध्यक्ष हेमराज माहौर, शहर मंडल अध्यक्ष महिम गुप्ता, गांधीनगर मंडल अध्यक्ष वरुण नागर, विजयनगर मंडल अध्यक्ष पवन शर्मा, अल्पसंख्यक मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष हाजी जमालुद्दीन, महानगर महामंत्री प्रदीप चौहान, पंकज भारद्वाज, शहर मंडल प्रभारी महेंद्र यादव, महानगर कोषाध्यक्ष नवनीत मित्तल, पार्षद पूनम सिंह, संतोष राणा, देवनारायण शर्मा, नीरज गोयल, भागवत गुप्ता, विनील दत्त, अभिषेक मोंटी, राजीव शर्मा, संतराम यादव, ओमप्रकाश ओढ़, धर्मेंद्र नागर, उदित मोहन और थान सिंह सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

त्योहारों को लेकर पुलिस अलर्ट, डीसीपी ऋजुल ने फर्रुखनगर में किया पैदल गश्त



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। आगामी त्योहारों को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था तेज कर दी है। मंगलवार को पुलिस उपायुक्त ट्रांस हिंडन ऋजुल ने सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन, थाना प्रभारी टीला मोड़, थाना प्रभारी शालीमार गार्डन और पुलिस बल के साथ टीला मोड़ थाना क्षेत्र की फर्रुखनगर चौकी के अंतर्गत बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले संवेदनशील स्थानों पर पैदल गश्त की। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस अधिकारियों ने स्थानीय नागरिकों, दुकानदारों और व्यापारियों से संवाद कर उन्हें सुरक्षा का भरोसा दिलाया। साथ ही किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या असामाजिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। पुलिस ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में लगातार निगरानी और गश्त की जाएगी।

गाजियाबाद कचहरी में पहली बार भव्य दीपावली मिलन समारोह, अधिवक्ताओं ने उत्साह से लिया हिस्सा

आपसी सौहार्द और भाईचारे के संदेश के साथ मनाया गया दीपावली मिलन, बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की रही अहम भूमिका

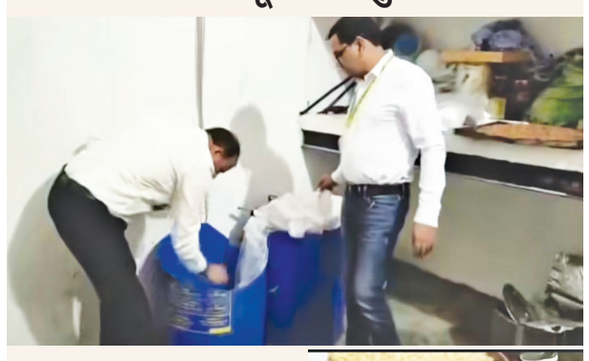




कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। गाजियाबाद सिविल कोर्ट परिसर में पहली बार भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं देकर पर्व की खुशियां साझा कीं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अधिवक्ताओं के बीच आपसी सौहार्द, भाईचारे और सहयोग की भावना को मजबूत करना रहा। अधिवक्ताओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से बार के सदस्यों को आपस में मिलने-जुलने और पारस्परिक संबंधों को मजबूत करने का अवसर मिलता है। आयोजकों ने बताया कि गाजियाबाद बार एसोसिएशन के इतिहास में कोर्ट परिसर में इस प्रकार का दीपावली मिलन समारोह पहली बार आयोजित किया गया है। यही वजह रही कि कार्यक्रम को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला। समारोह के आयोजन में एडवोकेट वरुण तोमर, आदित्य शर्मा, प्रतीक त्यागी, आशीर्वाद चौधरी, ऋतिक कौशिक और अनुज चौहान सहित बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं सचिव की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे सामाजिक और सौहार्दपूर्ण कार्यक्रम आयोजित करने की उम्मीद जताई।

देवला में खाद्य सुरक्षा विभाग की बड़ी कार्रवाई, 360 किलो दूषित रसगुल्ले नष्ट





कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा (वेलकम इंडिया)। दीपावली के त्योहार से पहले मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के खिलाफ खाद्य सुरक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी के आदेश पर विभाग की टीम ने देवला गांव में छापेमारी कर 360 किलो रसगुल्ले बरामद किए। जांच के दौरान रसगुल्लों में मक्खी और मच्छर पाए गए। इसके अलावा मिठाई तैयार करने वाली जगह पर भी गंदगी का अंबार मिला। अस्वच्छ परिस्थितियों में तैयार किए जा रहे रसगुल्लों को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक मानते हुए गड्ढा खुदवाकर मौके पर ही नष्ट करा दिया। दीपावली से पहले हुई इस कार्रवाई से मिठाई कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। खाद्य सुरक्षा विभाग ने त्योहार के दौरान मिलावट और दूषित खाद्य पदार्थों की बिक्री रोकने के लिए अभियान तेज कर दिया है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पुलिस अलर्ट, पुलिस आयुक्त ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

राजनगर एक्सटेंशन में कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर पुलिस प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त ने राजनगर एक्सटेंशन स्थित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून-व्यवस्था/यातायात), पुलिस उपायुक्त नगर, ग्रामीण, यातायात, मुख्यालय समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस आयुक्त ने कार्यक्रम स्थल की सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं और यातायात व्यवस्था सुचारु रखी जाए, जिससे आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो। अधिकारियों को कार्यक्रम को सकुशल, सुरक्षित और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के निर्देश दिए गए।

12 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत, आपसी समझौते से निपटेंगे हजारों मुकदमे

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। जिला एवं सत्र न्यायालय में 12 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव नेहा बनौधिया ने बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर शनिवार सुबह 10 बजे जिला कचहरी परिसर में लोक अदालत लगेगी।

जिला न्यायाधीश एवं प्राधिकरण के अध्यक्ष विनोद सिंह रावत के निर्देशन में आयोजित लोक अदालत में चेक बाउंस, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन चालान, श्रम विवाद, भूमि अधिग्रहण, दीवानी और फौजदारी के छोटे मामलों के साथ मोटर दुर्घटना क्लेम, पारिवारिक और उत्तराधिकार संबंधी विवादों का निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा दाम्पत्य विवादों और प्री-लिटिगेशन मामलों को भी आपसी सुलह-समझौते के आधार पर निपटाने का अवसर मिलेगा। संबंधित पक्षकार लोक अदालत में पहुंचकर अपने मामलों का त्वरित समाधान करा सकते हैं।

मुख्यमंत्री के गाजियाबाद दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट, डीएम ने अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

सुरक्षा, यातायात और पार्किंग व्यवस्था समय से पूरी करने के निर्देश, भीड़ नियंत्रण के लिए बनेगी विशेष कार्ययोजना

कपिल चौहान



गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित गाजियाबाद दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, यातायात, पार्किंग और भीड़ नियंत्रण सहित विभिन्न व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई।

डीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम से पहले सभी तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। पुलिस और प्रशासन आपसी समन्वय से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करें। कार्यक्रम स्थल और निर्धारित मार्गों पर यातायात सुचारु रखने के लिए कार्ययोजना तैयार करने के साथ पार्किंग के उचित स्थान चिह्नित किए जाएं। उन्होंने साफ-सफाई, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और आपातकालीन व्यवस्थाओं को भी दुरुस्त रखने के निर्देश दिए। यातायात डायवर्जन और वैकल्पिक मार्गों की जानकारी आमजन को पहले से उपलब्ध कराने को कहा, ताकि लोगों को परेशानी न हो। बैठक में एडिशनल पुलिस कमिश्नर राजकरन नैय्यर, नगरायुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, सीडीओ कुमार सौरभ, सभी एडीएम, सीएमओ सहित पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौजूद रहे।

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को मुफ्त गैस सिलेंडर की सौगात









कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। दीपावली के अवसर पर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के लिए मंगलवार को दुर्गावती देवी सभागार में कार्यक्रम आयोजित किया गया।

लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी उपस्थिति में हुए कार्यक्रम के क्रम में गाजियाबाद में भी पात्र महिलाओं को गैस सिलेंडर सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए गए। कार्यक्रम में विधायक संजीव शर्मा ने लाभार्थी महिलाओं को चेक प्रदान किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। जनपद में उज्ज्वला योजना के कुल 1,11,013 लाभार्थी हैं। सरकार का उद्देश्य गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों की महिलाओं को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराना और उनके जीवन को सुरक्षित व सुविधाजनक बनाना है। इस पहल से दीपावली पर लाभार्थी परिवारों को आर्थिक राहत मिलेगी और त्योहार की खुशियां दोगुनी होंगी।

पांच एकड़ जमीन और आठ लाख की आय सीमा से तय न हो ईडब्ल्यूएस का हक



नई दिल्ली(वेलकम इंडिया)। आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को आरक्षण का वास्तविक लाभ दिलाने और पात्रता नियमों में व्यावहारिक बदलाव की मांग को लेकर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने राष्ट्रीय स्तर पर आवाज बुलंद की है। मंगलवार को दिल्ली स्थित प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में पांच एकड़ कृषि भूमि की सीमा, आठ लाख रुपये की वार्षिक पारिवारिक आय सीमा और आवासीय संपत्ति से जुड़े नियमों की समीक्षा करने की मांग उठाई गई। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर ईडब्ल्यूएस आयोग और सवर्ण आयोग के गठन की मांग भी केंद्र सरकार के सामने रखी गई। कार्यक्रम में दिल्ली-एनसीआर संत महामंडल के अध्यक्ष एवं श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के अंतरराष्ट्रीय प्रवक्ता महंत नारायण गिरि महाराज का सान्निध्य रहा। महासभा के युवा राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कुंवर हरिशचंद्र सिंह जसोल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2019 में सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को 10 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस आरक्षण देने का निर्णय महत्वपूर्ण रहा है।